दैनिक
सीहोर जिले का प्रथम दैनिक
K ✌ K
RNI No.MPHIN/2003/10309

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | सीहोर जिले, होशंगाबाद संभाग एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-22 अंक-90 सीहोर, गुरूवार 22 मई 2025 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

‘वक्फ इस्लाम का आवश्यक हिस्सा नहीं न ही संविधान के तहत मौलिक अधिकार’

केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में कहा

नई दिल्ली (ए)। केंद्र सरकार ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि वक्फ एक इस्लामी अवधारणा है, लेकिन यह इस्लाम का आवश्यक हिस्सा नहीं है। इसलिए इस पर संविधान के तहत मौलिक अधिकार के रूप में दावा नहीं किया जा सकता। सरकार की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल (एसजी) तुषार मेहता ने शीर्ष कोर्ट से यह बात कही।मेहता ने कहा, वक्फ एक इस्लामी अवधारणा है, जिसे नकारा नहीं जा सकता, लेकिन जब तक इसे इस्लाम का आवश्यक हिस्सा नहीं माना जाता, तब तक अन्य दलीलों का कोई मतलब नहीं है। केंद्र ने यह जवाब वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर दिया। मेहता ने अधिनियम का बचाव करते हुए कहा कि किसी भी व्यक्ति को सरकारी जमीन पर दावा करने का अधिकार नहीं है, भले ही वह जमीन वक्फ के रूप में घोषित की गई हो।उन्होंने आगे कहा, कोई भी व्यक्ति सरकारी जमीन पर दावा नहीं कर सकता। सुप्रीम कोर्ट का एक फैसला है, जो कहता है कि अगर संपत्ति सरकारी है और वक्फ के रूप में घोषित की गई है, तो सरकार उसे बचा सकती है। सॉलिसिटर जनरल ने जोर देकर कहा, वक्फ संपत्ति एक मौलिक अधिकार नहीं है। इसे कानून द्वारा मान्यता दी गई थी। अगर कोई अधिकार विधायी नीति के तहत दिया गया है, तो उसे हमेशा वापस लिया जा सकता है।चीफ जस्टिस (सीजेआई) बी.आर. गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच इन याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है। वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 को अप्रैल में संसद से पारित किया गया था और पाँच अप्रैल को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इसे मंजूरी दे दी थी, जिसके बाद यह कानून बन गया। लोकसभा में इसके पक्ष में 288 और विपक्ष में 232 मत पड़े थे, जबकि राज्यसभा में समर्थन में 128 और विरोध में 95 मत पड़े थे।

छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में सुरक्षाबलों की बड़ी कार्रवाई, 25 से ज्यादा नक्सलियों को किया ढेर

नारायणपुर (ए) । छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में माओवादियों के खिलाफ सुरक्षाबलों का एक बड़ा ऑपरेशन जारी है। जानकारी के मुताबिक सुरक्षाबलों ने माओवादियों की एक बड़ी टीम को घेर लिया है। सुबह से चल रही फायरिंग में 25 से ज्यादा माओवादियों के मारे जाने की सूचना सामने आ रही है। हालांकि अभी तक इस कार्रवाई पर किसी भी अधिकारी का कोई बयान नहीं आया है। मुठभेड़ अबूझमाड़ के जाटलूर इलाके में चल रही है। अभी मुठभेड़ की शुरुआती जानकारी ही सामने आई है। सुरक्षाबलों को इसमें बड़ी सफलता मिल सकती है। नारायणपुर एसपी प्रभात कुमार के मुताबिक माओवादियों के के माड़ डिवीजन के बड़े कैडर की सूचना मिलने पर डीआरजी नारायणपुर, दंतेवाड़ा, बीजापुर और कोंडागांव का अबूझमाड़ में ऑपरेशन चलाया है। बुधवार सुबह से मुठभेड़ जारी है।

नई दिल्ली में डॉ. एस.पी. मुखर्जी सिविक सेंटर में आयोजित दिल्ली नगर निगम की सदन की बैठक में भाजपा के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस एमएलसी कर्नल सोफिया कुरैशी पर गर्व व्यक्त करते हुए एक बैनर पकड़े हुए हैं।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में नक्सल-मुक्त भारत के संकल्प की सिद्धि में ऐतिहासिक उपलब्धि : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

सुरक्षा बलों ने खूंखार 27 नक्सलियों को मार गिराया

भोपाल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन में देश में मार्च, 2026 तक नक्सलवाद को समूल नष्ट करने के अभियान के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में सुरक्षा बलों द्वारा खूंखार 27 नक्सलियों को मार गिराने की सफलता नक्सल-मुक्त भारत के संकल्प की सिद्धि में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि नक्सलवाद, मानवता के कलंक और राष्ट्र की प्रगति में सबसे बड़ा अवरोधक है। देश के विकास और नागरिकों की समृद्धि के लिए इस हिंसक विचारधारा का समूल नाश अत्यंत आवश्यक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार भी प्रदेश में नक्सलियों को जड़ से खत्म करने के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ क्रियाशील है। नक्सलियों के खिलाफ यह अभियान पीड़ित क्षेत्रों में शांति, समृद्धि और तीव्र विकास का नया युग आरंभ करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 27 खूखार नक्सलियों को मार गिराने में योगदान देने वाले अदम्य साहसी जवानों और सुरक्षा एजेंसियों को इस अभूतपूर्व सफलता के लिए बधाई देते हुए सुरक्षाकर्मियों का अभिनंदन किया है।

नेशनल हेराल्ड केसः राउज एवेन्यू कोर्ट में 2 से 8 जुलाई तक रोज होगी सुनवाई

नई दिल्ली (ए)। नेशनल हेराल्ड से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट में बुधवार को हुई सुनवाई संपन्न हो गई। राउज ऐवन्यू कोर्ट मामले की अगली सुनवाई 2 से 8 जुलाई तक प्रतिदिन होगी। सोनिया गांधी और राहुल गांधी की तरफ से कोर्ट में वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने दलील पेश की। सिंघवी ने सुनवाई को जुलाई तक टालने की मांग की। सिंघवी का कहना था कि उन्हें हाल ही में चार्जशीट की कॉपी मिली है इसे पढ़ने में वक्त लगेगा। नेशनल हेराल्ड से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में कांग्रेस नेताओं के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय ने चार्जशीट दाखिल की है।अभिषेक मनु सिंघवी की मांग का ईडी के वकील एएसजी एसवी राजू ने विरोध किया। राजू ने कहा, पिछली सुनवाई के समय ही चार्जशीट कॉपी उपलब्ध करवा दी गई थी।

ध्यान भटकाने का हथकंडा, बलूचिस्तान में हुए धमाके में PAK ने लगाया आरोप तो भारत ने दिया मुंहतोड़ जवाब

नई दिल्ली(ए)। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पाकिस्तान के आरोपों की निंदा करते हुए कहा कि पाकिस्तान अपने मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए इस तरह के हथकंडे अपनाता रहा है। भारत ने सोमवार को बलूचिस्तान के खुजदार शहर में एक स्कूल बस पर हुए आत्मघाती हमले में भारत की संलिप्तता के पाकिस्तान के आरोपों को खारिज करते हुए मुंहतोड़ जवाब दिया है। इस हमले में चार बच्चे मारे गए थे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने आरोपों की निंदा करते हुए कहा कि पाकिस्तान अपने मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए इस तरह के हथकंडे अपनाता है। भारत ने घटना में हुई मौतों पर भी संवेदना व्यक्त की। जायसवाल ने एक बयान में कहा, भारत आज खुजदार में हुई घटना में भारत की संलिप्तता के बारे में पाकिस्तान द्वारा लगाए गए निराधार आरोपों को खारिज करता है। भारत ऐसी सभी घटनाओं में हुई मौतों पर शोक व्यक्त करता है। हालांकि, आतंकवाद के वैश्विक केंद्र के रूप में अपनी प्रतिष्ठा से ध्यान हटाने और अपनी खुद की बड़ी विफलताओं को छिपाने के लिए, अपने सभी आंतरिक मुद्दों के लिए भारत को दोष देना पाकिस्तान के लिए दूसरी प्रकृति बन गई है। दुनिया को धोखा देने की यह कोशिश विफल होने के लिए अभिशप्त है। पाकिस्तान ने बुधवार सुबह बलूचिस्तान के खुजदार शहर में एक स्कूल बस पर हुए संदिग्ध आत्मघाती हमले में भारत की संलिप्तता का आरोप लगाया था। जब विस्फोट हुआ, तब खुजदार में सेना द्वारा संचालित स्कूल जा रही बस में लगभग 40 छात्र सवार थे, जिनमें से कई घायल हो गए। पाकिस्तान की सेना और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने हमले की निंदा की और इस घटना के लिए ‘भारतीय आतंकी एजेंटों’ को दोषी ठहराया।

हाफिज सईद का राइट हैंड आतंकी हमजा को गोली मारी, गंभीर हालत में भर्ती

लाहौर(ए)। आतंकी हाफिज सईद का खासमखास आमिर हमजा को अज्ञात लोगों ने गोली मार दी। उसे गंभीर हालत में यहां के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आमिर हमजा कोई ऐरा-गैरा आतंकी नहीं है। वह लश्कर चीफ हाफिज सईद का राइट हैंड है। उससे भी अधिक वह लश्कर-ए-तैयबा का को-फाउंडर भी है। आतंकी आमिर हमजा रहस्यमयी परिस्थितियों में बुरी तरह घायल है। उसके शरीर पर चोटों के निशान हैं। लाहौर के अस्पताल में वह मौत की भीख मांग रहा है। उसकी हालत बहुत खराब है और कभी भी उसके सासों की डोरी टूट सकती है।

आमिर हमजा ने हाफिज सईद के साथ मिलकर लश्कर को भारत के खिलाफ खड़ा किया। हमजा का आतंकी सफर 1980 के दशक से शुरू हुआ। उसने आतंकी हाफिज सईद और अब्दुल रहमान मक्की के साथ मिलकर लश्कर-ए-तैयबा की नींव रखी थी।

तेज स्पीड वंदे भारत हुई हादसे का शिकार, ट्रेन से टकराए निर्माणाधीन ब्रिज के सरिए, इमरजेंसी ब्रेक लगने पर डरे लोग

भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश में वंदे भारत हादसे का शिकार हो गई। जानकारी के अनुसार ट्रेन से एक निर्माणाधीन ब्रिज के सरिए टकरा गए। जिसके बाद ट्रेन को इमरजेंसी ब्रेक लगाकर रोकना पड़ा। इस घटना की जानकारी मिलते ही रेलवे के अधिकारी और स्टाफ मौके पर पहुंचा। करीब डेढ़ घंटे चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद ट्रेन को आगे की ओर रवाना किया गया। वंदे भारत एक्सप्रेस भोपाल के रानी कमलापति स्टेशन से दोपहर 3.30 बजे निकली थी। जानकारी में सामने आया है कि औबेदुल्लागंज रेलवे स्टेशन से पहले रेलवे की गति शक्ति परियोजना के तहत एक पुल निर्माण का कार्य चल रहा है।

निर्माणाधीन पुल के सरिए तेज आंधी के कारण तिरछे होकर ट्रैक की ओर मुड़ गए थे। इसी बीच वंदे भारत एक्सप्रेस तेज रफ्तार से गुजरी। ट्रैक की ओर मुड़े सरिए ट्रेन के कोच से टच हो गए। इस कारण कोच C-3 से C-7 तक के कोच सरिए से रगड़ते हुए निकले। लोको पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगाकर गाड़ी रोकी। ब्रेक लगने से यात्री डर गए।

मुर्शिदाबाद हिंसा पर हाईकोर्ट की रिपोर्ट से ममता सरकार को झटका

भाजपा ने उठाए गंभीर सवाल

कोलकाता (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ(संशोधन) अधिनियम के विरोध में बीते अप्रैल में हुई हिंसा को लेकर कलकत्ता हाईकोर्ट की समिति ने जिस तरह से रोंगटे खड़े करने वाली रिपोर्ट दी है, इस रिपोर्ट ने तृणमूल कांग्रेस सरकार को कटघरे में खड़ा कर दिया है। सीएम ममता बनर्जी की शासन को लेकर अब देश दुनिया में जहां सवाल उठने लगे है वहीं भाजपा ने जबरदस्त मौखिक हमला किया है। कारण उक्त रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि, पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में पिछले महीने भड़की हिंसा में राज्य में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस का एक नेता यानी पार्षद शामिल था। हिंसा के दौरान हिंदुओं को चुन-चुन कर निशाना बनाया गया। मुर्शिदाबाद हिंसा को लेकर भाजपा के आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को घेरा है।

50 बुलडोजर ने एक ही दिन में साढ़े 8 हजार घरों को बना दिया मलबे का ढेर

अहमदाबाद (ए)। चंडोला तालाब के किनारे एक साथ गरजे करीब 50 बुलडोजरों ने एक ही दिन में करीब 8500 मकानों/ढांचों को पत्थर-पत्थर कर डाला। अब कुछ धार्मिक ढांचे ही बचे हैं। पुलिस का कहना है कि इन्हें सम्मान के साथ हटाया जाएगा। अहमदाबाद नगर निगम ने अवैध अतिक्रमण को हटाकर 2.5 लाख वर्ग मीटर जमीन खाली कराई है।

पहलगाम हमले के बाद अहमदाबाद में यहां बड़ी संख्या में बांग्लादेशी घुसपैठिये पकड़े गए थे। 29 और 30 अप्रैल को अहमदाबाद नगर निगम ने पहले चरण के बुलडोजर ऐक्शन में बड़ी संख्या में ढांचों को गिरा दिया था। 20 मई से शुरू हुए दूसरे चरण में नगर निगम की 50 टीमों को सात जोन में बांटकर काम पर लगाया गया था। 350 स्टाफ सदस्यों के साथ सुबह 7 बजे ही ध्वीस्तीकरण का काम शुरू हुआ जो देर शाम तक जारी रहा। 50 से ज्यादा बुलडोजर/अर्थमूवर से अवैध ढांचों को मिट्टी में मिला दिया गया।

मप्र में आंधी और बारिश के साथ ओले गिरे

भोपाल (ए.)। नौतपा से पहले मप्र में आंधी-बारिश वाला मौसम है। मई में एक भी दिन ऐसा नहीं रहा, जब किसी न किसी जिले में बारिश न हुई हो। बुधवार को प्रदेश के 13 से ज्यादा जिलों में बुधवार को आंधी-बारिश का दौर रहा। कुछ जिलों में ओले भी गिरे। भोपाल-इंदौर में दोपहर तक तेज गर्मी रही, लेकिन इसके बाद हल्की बारिश शुरू हो गई। सीहोर के कई गांवों में ओले गिरे। रतलाम, विदिशा में तेज आंधी वाला मौसम रहा।धार, रतलाम, छिंदवाड़ा, नर्मदापुरम, रायसेन, रीवा, सागर, बालाघाट में भी बारिश का दौर चलता रहा। नर्मदापुरम रोड पर मंडीदीप और औबदुल्ला गंज के बीच 10 से ज्यादा बिजली के पोल तेज हवा से झुक गए।रायसेन में 50 किलोमीटर की रफ्तार से चली आंधी के चलते कई दुकानों के टीन शेड और साइन बोर्ड उड़ गए। बिजली के करीब 50 खंभों को भी नुकसान पहुंचा है। सागर के बंडा विकासखंड के गोरा गांव में आंधी चलने से घर की छप्पर उड़ गए। छप्पर के सहारे खड़े दो बच्चे भी उसके साथ ही ऊपर उछल गए। हालांकि दोनों बच्चों की हालत ठीक बताई जा रही है। नर्मदापुरम रोड पर तेज आंधी चलने से मंडीदीप से आगे बिजली के 10 से ज्यादा पोल नीचे झुक गए। कई गांवों में बिजली व्यवस्था भी ध्वस्त हो गई। होशंगाबाद रोड पर रेलवे की लाइन भी टूट गई है, जिसकी मरम्मत की जा रही है। रायसेन में भी दोपहर बाद मौसम बदल गया। गौहरगंज और औबेदुल्लागंज के बीच 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चली। इसके चलते कई दुकानों के टीन शेड उड़ गए। साइन बोर्ड भी टूटकर सडक़ पर गिर गए। 50 से ज्यादा बिजली पोल के गिरने की खबर भी है। सागर के बंडा विकासखंड के ग्राम गोरा में आंधी से कच्चे मकान का छप्पर उड़ गया। उसे पकडक़र खड़े दो बच्चे भी हवा में छप्पर के साथ उड़े। वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। घटना मंगलवार शाम की बताई जा रही है।आगर मालवा में मई महीने का मौसम इस साल अलग पैटर्न दिखा रहा है। सुबह से दोपहर तक तेज धूप रहती है। शाम होते ही मौसम बदल जाता है। बादल छाने के साथ तेज आंधी और बारिश का सिलसिला रोज चल रहा है। बुधवार को दोपहर 3 बजे के बाद मौसम में अचानक बदलाव आया। पहले तेज हवा चली। फिर झमाझम बारिश शुरू हो गई। नलखेड़ा और कानड़ क्षेत्र में हल्की बारिश हुई। जिला मुख्यालय और तनोडिया में तेज बारिश दर्ज की गई। बारिश का यह दौर शाम 4 बजे तक चला। मौसम में लगातार आ रहे बदलाव का असर लोगों के स्वास्थ्य पर दिख रहा है। जिला अस्पताल और निजी अस्पतालों में मौसमी बीमारियों के मरीजों की संख्या बढ़ी है। डॉक्टर्स ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

मारुति वैन में आग लगी, जिंदा जला ड्राइवर

बीना (आरएनएस)। बीना में मारुति वैन में अचानक आग लग गई। हादसे में ड्राइवर जिंदा जल गया। शव इस हालत में मिला है कि देर शाम तक उसकी पहचान की जा सकी। मृतक की पहचान छायन काछी निवासी नेपाल लोधी (28) के रूप में हुई है। वैन का रजिस्ट्रेशन खुरई तहसील के ग्राम कन्नाखेड़ी निवासी प्रहलाद सिंह पिता बखत सिंह ठाकुर के नाम पर दर्ज है। आगासौद थाना पुलिस के मुताबिक, घटना बुधवार दोपहर करीब 12 बजे देहरी और सेमरखेड़ी के बीच की है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि वैन सड़क किनारे खेत की फेंसिंग में फंस गई थी। ड्राइवर की तरफ वाला गेट फेंसिंग में अटकने की वजह से वह बाहर नहीं निकल पाया। वैन में संभवत: गैस किट लगी थी। आग इतनी तेजी से भड़की कि 10-15 मिनट में वैन पूरी तरह जल गई। ड्राइवर की चीख-पुकार सुनकर भी लोग कुछ नहीं कर पाए। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। आगासौद थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। जिस वैन में आग लगी, वो कन्नाखेड़ी के रहने वाले प्रहलाद ठाकुर ने छायन काछी निवासी मोहन लोधी को बेची थी। इनका भतीजा नेपाल लोधी (28) पिता इंद्रपाल सिंह लोधी वैन लेकर बीना आया था।बीना से गांव की किराना दुकान के लिए सामान लेकर वापस जा रहा था। रस्ते में आग लग गई। इसमें नेपाल जिंदा जल गया। जिस खेत की फेंसिंग में फंसने के कारण वह वैन से निकल नहीं पाया, वह खेत देहरी गांव के किसान कैलाश पटेल का है।

मध्यप्रदेश देश का दिल है, इसकी धड़कनों में प्रदेश की आहट होना चाहिए : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

-प्रदेश के प्रतिभागियों की योग्यता और क्षमता, देश को मध्यप्रदेश के प्रभाव का अनुभव कराएगी

-यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2024 में प्रदेश के 60 युवाओं का चयन गर्व का विषय

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश देश का दिल है, और देश की धड़कनों में मध्यप्रदेश की आहट होना चाहिए। यह प्रदेश के युवाओं की प्रतिभा, योग्यता और दक्षता से ही संभव है। यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा वर्ष 2024 में प्रदेश के 60 युवाओं का चयन मध्यप्रदेश की क्षमता को दर्शाता है। प्रदेश के यह युवा, देश की अलग-अलग सेवाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे और पूरा देश हमारे प्रदेश के प्रभाव का अनुभव करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2024 में चयनित प्रतिभागियों के सम्मान तथा उनसे संवाद के लिए कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी चयनित प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह तथा भारतीय ज्ञान परम्परा पुस्तक की प्रति भेंट कर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ई-ज्ञानसेतु यूट्यूब चैनल का लोकार्पण भी किया। उन्होंने पुस्तिका मध्यप्रदेश की प्रतिभाओं का परचम का विमोचन किया। इस अवसर पर ई-ज्ञानसेतु और चयनित प्रतिभागियों पर वृत चित्र का प्रदर्शन भी किया गया। कार्यक्रम में उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी के संचालक अशोक कड़ेल, प्रतिभागी और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद देश को एक स्वस्थ्य लोकतांत्रिक राष्ट्र के रूप में स्थापित करने में प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। यह लोकतांत्रिक व्यवस्था की ही देन है कि जमीन से जुड़े व्यक्ति को भी देश-प्रदेश का नेतृत्व करने का अवसर प्राप्त हो सकता है। यह भी गर्व का विषय है कि सिविल सेवा में चयनित अधिकांश युवाओं ने शासकीय स्कूलों से पढ़ाई की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वतंत्रता संग्राम में श्रद्धेय नेताजी सुभाष चंद्र बोस के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत वासियों की योग्यता को सिद्ध करने के लिए ही उन्होंने आईसीएस की परीक्षा दी और उसमें सफलता प्राप्त कर अंग्रेजों का घमंड तोड़ा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सम्राट विक्रमादित्य और लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की न्यायप्रियता और सुशासन के प्रति प्रतिबद्धता के उद्धरण देते हुए अभ्यर्थियों से अपने कर्तव्यों के निर्वहन में जनसामान्य के प्रति संवेदनशील, जनकल्याण के लिए सक्रिय और लोकहित के लिए सदैव प्रतिबद्ध रहने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अभ्यर्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जन कल्याण और देश का विकास लोक सेवा का मुख्य उद्देश्य है। चयनित अभ्यर्थी अपनी कार्यकुशलता और निपुणता के साथ परिश्रम करेंगे तो उनके कार्यों और भावनाओं की सुगंध चंदन की तरह वातावरण में फैलेगी। उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में प्रदेश के युवाओं का चयन प्रदेशवासियों के लिए गर्व का विषय है।

मध्यप्रदेश जिला घरेलू उत्पाद रिपोर्ट देश में अभिनव

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन को साकार करने की दिशा में ठोस पहल

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में आत्मनिर्भर जिला विकसित मध्य प्रदेश के संकल्प को अब मूर्त-रूप देते हुए जिला घरेलू उत्पाद रिपोर्ट तैयार की गई है। यह रिपोर्ट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस सोच को साकार करने की दिशा में ठोस पहल है जिसके अनुसार विकसित भारत का संकल्प देश के हर जिले में लिया जाएगा। यह पहल पूरे देश में अभिनव है। योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग द्वारा आज भोपाल में अटल बिहारी वाजपेई सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान में जिला घरेलू उत्पाद रिपोर्ट 2022-23 का विमोचन किया गया। अपर मुख्य सचिव संजय कुमार शुक्ला ने कहा कि डाटा आधारित नीति निर्माण के लिए जिला स्तर पर आर्थिक आंकड़ों का यह प्रयास अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने इसे मध्यप्रदेश के विजन 2047 की दिशा में एक निर्णायक कदम बताया। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य जिलों को आर्थिक विकास की धुरी बनाते हुए बॉटम अप दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करना है। यह रिपोर्ट राज्य के सभी जिलों की आर्थिक गतिविधियों का विश्लेषण प्रस्तुत करती है जो न केवल नीति निर्माण को डाटा आधारित बनाएगा साथ ही राज्य के विजन 2047 को जमीन पर भी उतारेगा। रिपोर्ट के अनुसार 2022-23 में इंदौर, भोपाल, जबलपुर और उज्जैन जैसे जिलों ने राज्य के सकल घरेलू उत्पाद में सर्वाधिक योगदान दिया है। प्रति व्यक्ति आय के आंकड़ों में भी यही जिले शीर्ष पर रहे हैं। प्राथमिक क्षेत्र यानी कृषि वानिकी, पशुपालन, मछली पालन में राज्य का जीव्हीए में 45 प्रतिशत का योगदान है जबकि द्वितीय क्षेत्र निर्माण और विनिर्माण तथा तृतीय क्षेत्र सेवाएं, व्यापार वित्त में क्रमश: 19 प्रतिशत और 36 प्रतिशत का योगदान दर्ज किया गया है।

प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी-2.0 में बनेंगे 10 लाख आवास

भोपाल (आरएनएस)। प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी-2.0 सबके लिये आवास मिशन शुरू किया जा चुका है। यह मिशन वर्ष 2029 तक 5 वर्ष की अवधि के लिये क्रियान्वित किया जायेगा। देश भर में एक करोड़ और मध्यप्रदेश में 10 लाख नवीन आवासों के निर्माण का कार्यक्रम तैयार किया गया है। योजना का उद्देश्य सभी पात्र शहरी गरीब एवं आवासहीन परिवारों को सुरक्षित स्थायी और किफायती आवास उपलब्ध कराना है। प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी-1.0 (पीएमएवाई) में अब तक 8 लाख 50 हजार आवासों का कार्य पूरा किया जा चुका है। इस पर अब तक 22 हजार 975 करोड़ रुपये की राशि खर्च की जा चुकी है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अधिकारियों को पीएमएवाई-यू-2.0 के लक्ष्य को समय-सीमा में हासिल करने के लिये निर्देश जारी किये गये हैं।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने नक्सलियों पर कार्रवाई को लेकर दी प्रतिक्रिया

भोपाल (आरएनएस)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में नक्सलवादियों के खिलाफ की जा रही कार्रवाई को लेकर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी के मार्गदर्शन में सुरक्षा बल देशभर में नक्सलवाद को पूरी तरह से समाप्त करने में जुटे हुए हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह कह चुके हैं कि देश के सिर्फ छह जिलों में ही नक्सली वर्तमान में सक्रिय हैं। उन्होंने मार्च 2026 तक पूरे देश से नक्सलवाद को समाप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा सरकारें नक्सलियों को समाप्त करने के लिए कृत संकल्पित हैं।

मध्यप्रदेश में नक्सलियों के खिलाफ लगातार चल रही कार्रवाई

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार नक्सलियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है। मध्यप्रदेश के एक जिले बालाघाट में कुछ नक्सलियों की सक्रियता का पता चलता है। हाल ही में हमारे जाबांज सुरक्षा बलों ने बालाघाट के बिलालकसा गांव के पास नक्सलियों के मूवमेंट पर घेराबंदी की है।

बाणगंगा चौराहे पर बड़ा हादसा टला

बस के बाद अब बेकाबू डंफर रोशनपुरा ढलान से उतरा, ऑटो को लिया चपेट में

भोपाल(ए)। शहर के टीटी नगर थाना इलाके के बाणगंगा चौराहे पर बस के बेकाबू होने के बाद अब अनियत्रिंत डंफर घाटी से तेज स्पीड से नीचे आया और एक ऑटो में जा घुसा। बताया गया है की मिनी क्रेन की मदद से डंपर को खींचकर ले जाया जा रहा था, लोड ज्यादा होने के कारण डंपर पीछे आ गया और ऑटो को कुचल दिया। गनीमत रही हादसे में कोई जानहानि नही हुई। यदि हादसा दिन के समय हुआ होता तो काफी भयानक हो सकता था। जानकारी के मुताबिक डंपर ढलान से तेजी से आया और बाणगंगा चौराहे के पास मंदिर के सामने डंपर ने ऑटो को अपनी चपेट में लिया। डंपर की चपेट में आकर ऑटो उसमें दबकर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में आगे की जॉच की जा रही है।

साइबर क्राइम ब्रांच के एडिशनल डीसीपी के चाचू के साथ साइबर ठगी

भोपाल (आरएनएस)। भोजपुर विधानसभा के पूर्व विधायक रामकिशन चौहान के एटीएम का क्लोन बनाकर जालसाज ने 6 लाख 83 हजार निकाले- 2 फरवरी से 1 मई के बीच 54 बार ट्रांजक्शन हुआ, बैंक से एक बार भी नहीं आया मैसेज - 5 मई को 92 रुपए का ट्रांजक्शन मैसेज आने के बाद ठगी का हुआ खुलासा- आम लोगों की तरह ठगी गई रकम साइबर क्राइम ब्रांच भोपाल की तरफ से बरामद नहीं करा पाने से पूर्व विधायक निराश- पंजाब नेशनल बैंक अरेरा कॉलोनी के एटीएम बूथ पर क्लोनिंग डिवाइस लगाकर पूर्व विधायक के एटीएम कार्ड का तैयार किया गया क्लोन-अरेरा कॉलोनी में रह रहे पूर्व विधायक का आरोप-बैंक कर्मचारी-अपराधियों की मिलीभगत के बिना ठगी संभव नहीं।

सड़क पर दौड़ रही सेम ग्लोबल यूनिवर्सिटी की बस हादसे का शिकार

-बस के दोनो टायर निकल कर सड़क पर आ गये, कई छात्र घायल

भोपाल(ए)। राजधानी भोपाल में रायसेन रोड पर उस समय बड़ा हादसा हो गया जब सड़क पर दौड़ रही छात्रों से भरी एक बस के पीछे के दोनों टायर अचानक निकल गए। बुधवार दोपहर करीब 12.30 बजे हुए हादसे में बस बेकाबू हो गई और उसमें सवार सैम ग्लोबल यूनिवर्सिटी के कई छात्र सीट से उछलकर गिर जाने से गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया गया है की घटना के समय आयुर्वेदिक डिपार्टमेंट के 16 स्टूडेंट्स बस से कॉलेज जा रहे थे। जिनमें 5 घायल छात्रों को इलाज के लिये अयोध्या नगर स्थित एक मल्टी स्पेशियलिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बस में तेजी से कंपन हुआ और फिर जोरदार आवाज के साथ टायर अलग हो गए, उससे कई छात्र सीटों से उछलकर गिर पड़े।

सूत्रों के अनुसार बस का पीछे वाला पहिया फट गया था, जिसके कारण हादसा हुआ है। इस गंभीर हादसे को लेकर एनएसयूआई के प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने कहा कि राजधानी भोपाल के रायसेन रोड पर एक बड़ी लापरवाही का मामला सामने आया है। यहॉ सेम ग्लोबल यूनिवर्सिटी के छात्रों को लेकर कॉलेज जा रही बस (महाराष्ट्र पासिंग) एमएच34 एबी 8055 के पीछे के दोनों टायर अचानक निकल गए। इससे बस में सवार कई छात्रों को गंभीर चोटें आई हैं, हादसे के बाद छात्रों को अयोध्या नगर स्थित आरएनए मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल में भर्ती करवाया गया हैं । रवि परमार ने आगे कहा की कुछ ही दिन पहले भोपाल में हुए बस हादसे के बावजूद सरकार और प्रशासन की नींद अब तक नहीं खुली है।

अपर मुख्य सचिव संजय कुमार शुक्ला ने आज अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान में म. प्र. जिला घरेलू उत्पाद रिपोर्ट का विमोचन किया।

मध्यप्रदेश में 7 शहर स्मार्ट सिटी मिशन में

चयनित शहरों में नागरिक जीवन शैली में सुधार के लिये कार्य

भोपाल (ए.)। प्रदेश में शहरों के समुचित विकास, आर्थिक सुधार, नागरिक जीवन शैली में सुधार के उद्देश्य से चयनित 7 शहरों (स्मार्ट सिटी) में कार्य किये जा रहे हैं। प्रदेश में 3 शहरों भोपाल, इंदौर और जबलपुर का चयन प्रथम चरण में स्मार्ट सिटी मिशन में किया गया था। दूसरे चरण में ग्वालियर और उज्जैन का चयन किया गया। स्मार्ट सिटी मिशन में तीसरे चरण में सतना और सागर चयन किया गया। देश में स्मार्ट सिटी मिशन की शुरूआत 25 जून 2015 को की गई थी। इसके बाद से 3 चरणों में मध्यप्रदेश के इन 7 शहरों का चयन किया गया। स्मार्ट सिटी योजना का क्रियान्वयन नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अंतर्गत किया जा रहा है। मिशन के अंतर्गत प्रदेश के प्रत्येक चयनित शहर के लिये एक हजार करोड़ रूपये ग्रांट का प्रावधान किया गया, जिसमें 500 करोड़ रूपये केन्द्र सरकार की और 500 करोड़ रूपये राज्य सरकार की मैचिंग ग्रांट थी। स्मार्ट सिटी चयनित शहरों में मुख्य रूप से ऐसी योजनाएं क्रियान्वित की गई, जिनसे नागरिक जीवन शैली में सुधार हो। स्मार्ट सिटी में मुख्य रूप से स्मार्ट रोड, स्मार्ट लाइटिंग, स्मार्ट क्लासरूम, इनक्युबेसन सेंटर, रेन वॉटर हार्वेस्टिंग, एकीकृत कमांड एण्ड कंट्रोल सेंटर, मल्टी लेवल पार्किंग, इंटेलिजेंस ट्रॉफिक मैनेजमेंट, पुरातत्व धरोहर संरक्षण अंतर्गत रेस्टोरेशन कार्य, रिवर फ्रंट-लेक डेवलपमेंट, नॉन मोटराइज ट्रांसपोर्ट, स्पोर्ट्स्टेडियम आदि शामिल हैं।

कार्य में लाये तेजी, प्रचार-प्रसार पर करे फोकस : खाद्य मंत्री श्री राजपूत

भोपाल(आरएनएस)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने घरों में पाइप लाइन के माध्यम से पी.एन.जी. और सी.एन. जी कार्य में तेजी लाने के निर्देश क्रियान्वयन कंपनियों को दिये। मंत्री श्री राजपूत मंत्रालय में प्रदेश के सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क कार्य की समीक्षा कर रहे थे। खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने कंपनियों की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताते हुए कार्य में तेजी लाने के निर्देश क्रियान्वयन कंपनी को दिये है। मंत्री श्री राजपूत ने सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क के तहत जिलों में कार्य करने वाली कंपनियों को समझाइश देते हुए कहा कि गैस डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क के जरिये पर्यावरण के क्षेत्र में क्रांति लाने का

एक नज़र

ऑपरेशन सिंदूर भारत की सोची, समझी और योजनाबद्ध ढंग से की गई कार्रवाई लेफ्टिनेंट जनरल मानवेन्द्र

भोपाल (आरएनएस)। हम सभी जानते हैं कि पिछले कुछ दिनों में भारत में क्या हुआ और हमारी सेना ने क्या किया। 22 अप्रैल को देश ने जो भयानक दृश्य देखा, वह दुखदायी और आक्रोशित करने वाला था। पहलगाम आतंकी हमले के जरिये भारत को कमजोर करने और समाज को बांटने की साजिश आतंकियों ने की थी। आतंकी हमले का उत्तर देने के लिए भारतीय सेना ने जो ऑपरेशन सिंदूर चलाया, वह कोई मामूली ऑपरेशन नहीं था। यह तैयारी कई वर्षों से थी। यह भारत की सोची, समझी और योजनाबद्ध ढंग से की गई कार्रवाई थी। यह बात सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल मानवेन्द्र सिंह ने मंगलवार को भोपाल में आयोजित हुई भारत भक्ति यात्रा में कही। भारतीय सेना के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने के लिए डीबी मॉल के सामने आयोजित इस यात्रा में लेफ्टिनेंट जनरल मानवेन्द्र सिंह बतौर मुख्य वक्ता उपस्थित थे। कार्यक्रम का आयोजन महिला समन्वय समिति की ओर से किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ साहित्यकार रंजना चितले, मध्य भारत प्रांत सह संयोजिका महिला समन्वय सुनंदा रघुवंशी, विभाग संयोजिका महिला समन्वय कुसुम सिंह सहित बड़ी संख्या में मातृशक्ति व विभिन्न महिला संगठनों की कार्यकर्ता उपस्थित हुईं। इस अवसर पर विशेष रूप से सैन्य परिवारों से जुड़ी मातृशक्तियों कैप्टन अंजू, शशि सिंहो, साधना शर्मा, डॉ. मंजू मेहता, आरती लार्ड और सिया देवी तोमर आदि को सम्मानित किया गया।

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को दी श्रद्धांजलि

भोपाल(आरएनएस)। आज भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री राजीव गांधी जी की पुण्यतिथि के अवसर पर मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने नवाचार अपनाते हुए परंपरागत भाषणों के स्थान पर भक्ति संगीत और भजनों के माध्यम से श्रद्धांजलि अर्पित की। यह आयोजन मप्र कांग्रेस कार्यालय, शिवाजी नगर स्थित राजीव गांधी सभागार में सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के तत्वावधान में संपन्न हुआ।कार्यक्रम में मप्र कांग्रेस कमेटी सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के कलाकारों ने भावपूर्ण भजनों एवं भक्ति संगीत की प्रस्तुति देकर पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी जी की स्मृतियों को सजीव किया और उनके योगदानों को स्मरण किया। आयोजन का उद्देश्य था - आध्यात्मिक और सांस्कृतिक रूप से प्रेरणादायक वातावरण के माध्यम से श्रद्धांजलि देना। इस अवसर पर मप्र कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह, राज्यसभा सांसद अशोक सिंह, प्रकोष्ठ एवं विभाग प्रभारी महेंद्र चौहान, संगठन महामंत्री डॉ. संजय कामले, वरिष्ठ नेता जे.पी. धनोपिया, प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती विभा पटेल, किसान कांग्रेस अध्यक्ष धर्मेंद्र चौहान, वरिष्ठ नेता अरुण श्रीवास्तव, सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अभिषेक श्रवास्तव,भोपाल शहर जिला अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना, ग्रामीण जिला अध्यक्ष श्रीमती अनोखी पटेल सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। नेताओं ने स्व. राजीव गांधी जी के दूरदर्शी नेतृत्व, आधुनिक भारत की नींव और युवाओं को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने के लिए किए गए प्रयासों का स्मरण किया।मध्य प्रदेश कांग्रेस सांस्कृतिक प्रकोष्ठ ने यह कहा कि भविष्य में भी इस प्रकार के सांस्कृतिक आयोजनों के माध्यम से महापुरुषों की जयंती और पुण्यतिथियां मनाई जाएंगी, जिससे विचार और भावना दोनों का समुचित समागम हो सके।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और प्रदेश संगठन महामंत्री ने जताया शोक

भोपाल (आरएनएस)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद जी ने भारत के प्रसिद्ध परमाणु वैज्ञानिक, पद्म विभूषण डॉ. एम.आर. श्रीनिवासन के निधन पर शोक व्यक्त किया है।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि भारत के प्रसिद्ध परमाणु वैज्ञानिक, पद्म विभूषण डॉ. एम.आर. श्रीनिवासन ने देश को उर्जा क्षेत्र में सशक्त बनाने में अतुलनीय योगदान दिया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने एवं परिजनों को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

नकाबपोश बदमाश ने फुटवेयर व्यापारी पर किया जानलेवा हमला

भोपाल (ए)। पुराने शहर के मंगलवारा थाना इलाके में बीती रात दुकान बंद कर रहे फुटवेयर व्यापारी पर अज्ञात नकाबपोश बदमाश ने धारदार हथियार से हमला कर उन्हें लूटने का प्रयास किया। लेकिन बदमाश कामयाब नहीं हो सका और विरोध करने पर घबराकर भाग गया। पुलिस ने इस मामले में अज्ञात आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार फरियादी शुभम जटाव ने अपनी शिकायत में बताया की उनकी छावनी में जूते-चप्पल की दुकान है। बीती रात दुकान बंद कर रहा था, तभी चेहरे पर कपड़ा बांधकर आये एक बदमाश ने धारदार हथियार से उन पर हमला किया। हथियार के वार उसे बचने के प्रयास में व्यापारी के हाथ में चोट आई है। उन्हें घायल होता देख बदमाश अंधेरे का फायदा उठाते हुए गली से भागकर निकला। व्यापारी का आरोप है कि बदमाश ने उन्हें लूटने की कोशिश भी की थी।

मध्यप्रदेश ने कृषि के क्षेत्र में स्थापित किए नये कीर्तिमान

नरवाई प्रबंधन के लिए 412 करोड़ रुपये की अनुदान राशि जारी

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश कृषि के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रदेश ने कृषि के क्षेत्र में नये कीर्तिमान स्थापित किये हैं। साथ ही फसलों के उत्पादन में राष्ट्रीय स्तर पर रिकार्ड बनाया। प्रदेश दालों के उत्पादन में प्रथम स्थान पर, खाद्यान उत्पादन में द्वितीय स्थान पर एवं तिलहन उत्पादन में तृतीय स्थान पर है। तृतीय फसली क्षेत्र में तेजी से वृद्धि हो रही है। नरवाई जलाने को हतोत्साहित करने के लिए कुछ प्रतिबंध भी लगाये गये है। कृषकों को फसल आच्छादन के अवशेष जलाने से रोकने के लिये शासन द्वारा कई कदम उठाये गये हैं, जिसमें प्रदेश स्तर पर 46,800 से अधिक नरवाई प्रबंधन से संबंधित कृषि यंत्र अनुदान पर वितरित करते हुए 412 करोड़ रूपये की अनुदान राशि जारी की गई है। नरवाई जलाने की घटना वाले कृषकों को आगामी एक वर्ष के लिए मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि की राशि 6 हजार रूपये का भुगतान नहीं किये जाने के साथ ही आगामी एक वर्ष के लिए उनकी उपज का उपार्जन न्यूनतम समर्थन मूल्य पर नहीं करना भी शामिल है।

जल्द पूर्ण किये जाएं सिंहस्थ 2028 से संबंधित अधोसंरचना के सभी कार्य : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

सिंहस्थ से संबंधित विभागों में तकनीकी अधिकारी-कर्मचारियों की कमी को दूर किया जाए

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सिंहस्थ 2028 से संबंधित सभी अधोसंरचना के कार्यों को जल्द पूर्ण करना आवश्यक है। प्रत्येक कार्य की समय सीमा निर्धारित कर, गतिविधियां संचालित की जाएं। कार्यालीन प्रक्रियाओं को वर्षाकाल तक पूर्ण करना सुनिश्चित करें, जिसमें वर्षाकाल के तुरंत बाद निर्माण प्रक्रिया तत्काल आरंभ की जा सकें। नगर निगम उज्जैन, विकास प्राधिकरण सहित अन्य निर्माण ऐजेंसियों में यदि तकनीकी अधिकारी-कर्मचारियों की कमी है तो अन्य विभागों से प्रतिनियुक्ति पर लेकर यह कमी दूर की जाए। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं का रेल से बड़ी संख्या में आवागमन होगा और महाकालेश्वर सहित ओंकारेश्वर तथा मंदसौर स्थित पशुपतिनाथ मंदिर भी श्रद्धालुओं के आवागमन के मुख्य केंद्र रहेंगे। अत: सड़क मार्गों के साथ-साथ रेलवे से बेहतर समन्वय सुनिश्चित करना आवश्यक है। इससे क्षेत्र में रेल यातायात को सुगम तथा श्रद्धालुओं की यात्रा को सुविधाजनक बनाने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सिंहस्थ 2028 की मंत्रि-मण्डलीय समिति की तीसरी बैठक को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्रालय में हुई इस बैठक में उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, राजेंद्र शुक्ल, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह, खाद्य नागरिका आपूर्ति मंत्री गोविंद सिंह राजपूत उपस्थित थे।

इंदौर में पार्किंग में खड़े बैटरी वाहन में लगी आग, तीन गाड़ी और एक घर को लिया चपेट में

इंदौर (ए.)। तेज गर्मी के बीच बैटरी से चलने वाले इलेक्ट्रिक वाहन खतरनाक साबित हो रहे हैं। इंदौर के मल्हारगंज क्षेत्र में एक दोपहिया वाहन में उस वक्त आग लग गई, जब वह पार्किंग में खड़ा था। पास में एक कार और दो बाइक थीं।

आग की लपटों ने उन्हें भी चपेट में ले लिया। तेजी से फैली आग ने एक मकान के आगे के हिस्से को भी जला दिया। लोगों ने सूझबूझ से आग को दूसरी तरफ फैलने से रोका और फायरब्रिगेड के आने से पहले आग पर काबू पा लिया।

मल्हारगंज क्षेत्र में बुधवार दोपहर धूप में खड़े एक बैटरी वाहन में अचानक आग लग गई। आग वाहन के सीट के नीचे वाले हिस्से में लगी थी। आग इतनी तेजी से फैली कि आसपास खड़े दूसरे दोपहिया वाहनों को हटाने के लिए लोगों को समय ही नहीं मिला और पांच मिनट के भीतर दो अन्य बाइक और एक कार ने आग पकड़ ली। कार के कारण एक मकान के आगे का हिस्सा भी झुलसने लगा। उसमें इंटीरियर खराब हो गया।

लोगों ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी, लेकिन घना क्षेत्र होने के कारण फायर ब्रिगेड को आने में समय लगा। इसके बाद लोगों ने ही रेत, पानी, मिट्टी डालकर आग बुझाने की कोशिश की। कुछ रहवासी घरों में रखे आग बुझाने के उपकरण भी ले आए और उसे आग की लपटों पर डालना शुरू कर दिया। कुछ देर बाद आग बुझ गई। इसके बाद फायर ब्रिगेड की दमकल पहुंची। आग लगने का कारण पता नहीं चल सका। संभवत- वाहन के बैटरी वाले हिस्से में आग सबसे पहले लगी थी।

साध्वी लक्ष्मी और उनके भाई की जमानत रद्द, ।ष्ट ने कहा- गुमराह किया, लटकी गिरफ्तारी की तलवार

छिंदवाड़ा (ए.)। छिंदवाड़ा जिले के चौरई के प्रसिद्ध श्रीराम-जानकी मंदिर से जुड़े 90 लाख रुपये के गबन मामले में हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। मंदिर की पूर्व साध्वी लक्ष्मी दास (रीना रघुवंशी) को करारा झटका देते हुए कोर्ट ने उनकी वह अर्जी खारिज कर दी है, जिसमें उनकी ओर से जमानत की पूर्व शर्त हटाने की मांग की थी। दरअसल, दिसंबर 2024 में मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने साध्वी लक्ष्मी दास को 90 लाख रुपये जमा करने की शर्त पर अग्रिम जमानत दी थी। लेकिन, अब आरोपी ने कोर्ट में नई अर्जी लगाकर कहा कि उसके पास इतनी रकम नहीं है, इसलिए इस शर्त को हटाया जाए।

कमलनाथ का सियासी प्रहार : छिंदवाड़ा में आदिवासियों की जमीन पर भू-माफिया का कब्जा, प्रशासन पर मिलीभगत के आरोप

छिंदवाड़ा (ए.)। पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता कमलनाथ मध्यप्रदेश की राजनीति में एक बार फिर हलचल लाने की तैयारी में हैं। अपने गृह जिले छिंदवाड़ा में आदिवासियों की जमीनें हड़पने के मुद्दे पर कमलनाथ ने प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को खुला पत्र लिखकर न केवल भू-माफियाओं पर निशाना साधा, बल्कि जिला प्रशासन पर भी सीधे-सीधे मिलीभगत के आरोप जड़ दिए हैं।

कमलनाथ ने पत्र में लिखा है कि छिंदवाड़ा आदिवासी बाहुल्य जिला है, जहां जामई, तामिया, हर्रई, अमरवाड़ा, बिछुआ और पांढुर्ना जैसे क्षेत्र आदिवासी संस्कृति की पहचान हैं, लेकिन अब इन क्षेत्रों में संगठित भू-माफिया नेटवर्क सक्रिय हो चुका है, जो आदिवासियों की जमीनें औने-पौने दाम में खरीदने, फर्जी अनुबंध कराने और बाद में नामांतरण कराकर उन्हें गैर-आदिवासियों के नाम दर्ज कराने में जुटा है।

"प्रशासन बना मूकदर्शक या फिर भागीदार?"

कमलनाथ ने सीधे तौर पर आरोप लगाया है कि इस पूरे मामले में जिला प्रशासन की भूमिका संदिग्ध है। उन्होंने कहा कि कुछ मामलों में प्रशासन की चुप्पी यह संकेत देती है कि या तो प्रशासन मूकदर्शक है या फिर इस साजिश में सहभागी।

"कॉलोनियों में बदली जा रही आदिवासियों की जमीन"

पूर्व सीएम का कहना है कि जिन जमीनों पर कभी आदिवासी किसान फसलें उगाते थे, आज वहां रिहायशी कॉलोनियों की दीवारें खड़ी की जा रही हैं। आदिवासी समुदाय को उनके ही अधिकारों से वंचित कर विकास के नाम पर उन्हें बेदखल किया जा रहा है।

सागर में हैरान करने वाला वीडियो, आंधी में घर के छप्पर के साथ उड़े दो बच्चे, मकान भी हुआ तबाह

सागर (ए.)। बुंदेलखंड अंचल इन दिनों भीषण गर्मी और उमस से जूझ रहा है। तापमान में लगातार वृद्धि और तेज धूप के कारण आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है। इस भीषण गर्मी के बीच राहत की खबर यह है कि पिछले दो दिनों से मौसम ने करवट ली है और शाम होते-होते अनेक स्थानों पर तेज हवा के साथ बारिश हो रही है। यह बारिश लोगों के लिए कुछ राहत जरूर लेकर आई है, लेकिन कई जगहों पर तेज आंधी और बारिश ने तबाही भी मचाई है।

बुधवार को जिले की बंडा और गढ़ाकोटा तहसील क्षेत्र में अचानक दोपहर के समय तेज आंधी आई। आंधी के साथ बारिश भी शुरू हो गई, जिससे आम जनजीवन प्रभावित हुआ। इन तहसीलों के अंतर्गत आने वाले कई गांवों में तेज आंधी के कारण कच्चे और टिन के घरों के छप्पर उड़ गए। ग्रामीणों को काफी नुकसान झेलना पड़ा है।

बंडा तहसील के ग्राम गोरा खुर्द में मंगलवार को तेज हवा और जोरदार बारिश हुई। इस दौरान अमोल नागवंशी के कच्चे घर का छप्पर तेज हवा में उड़ गया। सबसे चिंताजनक स्थिति तब उत्पन्न हुई जब घर के अंदर छप्पर को पकड़े खड़े उसके दो छोटे बच्चे भी हवा में उड़कर बाहर जा गिरे। इस घटना का वीडियो सामने आया है, जिसमें दोनों बच्चे हवा में उड़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। हादसे में दोनों बच्चे घायल हो गए, जिन्हें प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। गनीमत रही कि कोई बड़ी अनहोनी नहीं हुई।

तेज हवा और बारिश से घर पूरी तरह तहस-नहस हो गया है। ग्रामीणों ने बताया कि यह पहली बार नहीं है जब ऐसी तेज आंधी आई हो, लेकिन इस बार की गति और प्रभाव पहले से कहीं अधिक था।

बांधवगढ़ में बाघ का आतंक, मवेशी ढूंढने गए दो ग्रामीणों पर जानलेवा हमला, हालत गंभीर

उमरिया (ए.)। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के पनपथा कोर क्षेत्र के गांगीताल में बुधवार सुबह एक भयावह घटना सामने आई, जब जंगल में मवेशी खोजने गए तीन ग्रामीणों पर बाघ ने अचानक हमला कर दिया। इस हमले में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घटना स्थल रानी मचान के पास बताया जा रहा है, जहां यह खौफनाक मंजर देखने को मिला।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव के तीन लोग ब्रजभान सिंह (38), आदित्य सिंह (17) और एक अन्य अपने मवेशियों की तलाश में जंगल के भीतर गए थे। इसी दौरान अचानक उनका सामना एक बाघ से हो गया। बताया जाता है कि बाघ पहले कुछ क्षणों तक ग्रामीणों को घूरता रहा और फिर कुछ ही पलों में हमला बोल दिया।

गश्त कर रहे वनकर्मी को माफियाओं ने पीटा और दी जान से मारने की धमकी, जैसे तैसे भागकर बचाई जान

ग्वालियर (ए.)। ग्वालियर वन क्षेत्र में गश्त कर रहे वन कर्मी को खनन माफिया बदमाशों ने गश्त करने से रोका और उसके साथ मारपीट कर दी। घटना तिघरा थाना क्षेत्र के देवखो तिराहे के पास देवखो मंदिर के पास की है। किसी तरह बदमाशों के चंगुल से छूटकर वनकर्मी भागा तो आरोपियों ने लौटकर आने पर उसे जान से मारने की धमकी दी। घटना का शिकार पीड़ित थाने पहुंचा और मामले की शिकायत की। पुलिस ने उसकी शिकायत पर मामला दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

तिघरा थाना प्रभारी शिव कुमार शर्मा ने बताया कि प्रमोद कुशवाह पुत्र लक्ष्मीनारायण कुशवाह वन कर्मचारी है। बीते रोज वह वन क्षेत्र में गश्त करते हुए जब देवखो मंदिर के पास पहुंचा तो जंगल में राजू मावई पुत्र रामजी मावई निवासी ओड़पुरा, गफूर खान पुत्र ईदू खान निवासी बंजारों का पुरा सौजना और गुल्लू खान पुत्र दादू खान निवासी बंजारों का पुरा अवैध उत्खनन करते मिले। इनके खिलाफ पूर्व में अवैध उत्खनन का मामला दर्ज है।जब प्रमोद ने उनका विरोध किया तो आरोपियों ने उसे पटक पटक कर बेरहमी से मारपीट करना शुरू कर दी। किसी तरह उनके चंगुल से निकलकर वह जान बचाकर वहां से भागा, उसे भागते देखकर आरोपियों ने उसे धमकी दी कि अगर इधर दोबारा नजर आए तो वह उसे जान से मार देंगे।

आरोपियों द्वारा की गई घटना से पीड़ित इतना डर गया कि वह फिर गश्त करने के लिए आगे बढ़ा नहीं और वापस अपने ऑफिस पहुंचा और मामले की शिकायत की। पुलिस ने उसकी शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। सीएसपी ग्वालियर किरन अहिरवार ने बताया कि पुलिस ने शिकायत दर्ज होने के बाद आरोपियों के घरों पर दबिश दी और तीनों आरोपियों को पकड़ लिया है।

व्यापार समाचार

जी20 अर्थव्यवस्थाओं में भारत की स्थिति मजबूत, मूडीज ने कहा- वैश्विक व्यापारिक व्यावधानों का असर नहीं

नई दिल्ली (ए.)। मूडीज रेटिंग्स की बुधवार को जारी रिपोर्ट में भारत की अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक टिप्पणी की गई है। रिपोर्ट के अनुसार भारत अमेरिकी टैरिफ और वैश्विक व्यापार व्यवधानों के नकारात्मक प्रभावों से निपटने के मामले में अच्छी स्थिति में है। भारत की बड़ी घरेलू अर्थव्यवस्था और निर्यात पर कम निर्भरता स्थिति को मजबूत बनाती है। यदि व्यापार वार्ता करने से अन्य बाजारों की तुलना में भारत पर टैरिफ कम हो जाता है, तो अमेरिकी बाजारों में भारत-निर्मित वस्तुओं की मांग बढ़ सकती है और इससे भारत को लाभ होगा।

आर्थिक वृद्धि 6.7% से घटकर 6.3% हो सकती है

रेटिंग्स एजेंसी ने कहा कि हमें उम्मीद है कि 10 प्रतिशत वैश्विक टैरिफ और अमेरिका की ज्यादातर चीनी सामानों पर लगाई गई 30% टैरिफ वैश्विक विकास में बाधा डालेंगी। इससे वर्ष 2025 में भारत की आर्थिक वृद्धि 6.7% से घटकर 6.3% हो सकती है। फिर भी, यह वृद्धि दर जी-20 अर्थव्यवस्थाओं में सबसे अधिक होगी। सरकार की निजी खपत बढ़ाने, उद्योगों की क्षमता बढ़ाने और बुनियादी ढांचे पर खर्च बढ़ाने की योजनाएं वैश्विक मांग में कमी के प्रभाव को कम करेंगी।

भारत के बुनियादी ढांचे पूंजी निवेश को आकर्षित करेंगे

मूडीज के अनुसार, अमेरिकी टैरिफ का प्रभाव अधिकांश बुनियादी ढांचा पर कम प्रभाव पड़ेगा, क्योंकि यह क्षेत्र घरेलू मांग पर निर्भर है और सरकारी समर्थन से लाभान्वित होता है। उन्होंने आगे कहा कि बिजली,परिवहन और डिजिटल बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों की मजबूत मांग अगले पांच-सात सालों में पूंजी निवेश को आकर्षित करना जारी रखेगी।

भारत की बैंकिंग व्यवस्था स्थिर और मजबूत है : मूडीज

रेटिंग एजेंसी ने कहा कि वैश्विक अस्थिरता के बावजूद भारत का मजबूत बैंकिंग बाजार और स्थिर ऋण स्थितियां इसकी आर्थिक मजबूती को रेखांकित करती हैं। फिर भी,वैश्विक आर्थिक और ऋण स्थितियों में गिरावट का असर पड़ेगा। महंगाई में कमी से ब्याज दरों में कटौती की संभावना बनती है,जिससे अर्थव्यवस्था को और अधिक समर्थन मिलेगा। साथ ही बैंकिंग क्षेत्र की आसान प्रक्रिया होने से ऋण देने में सुविधा होगी।

रुपया बढ़त पर बंद

नई दिल्ली (ए.)। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया तीन पैसे की तेजी के साथ ही 85.55 रुपये पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह विदेशी पूंजी की लगातार निकासी के दबाव में बाजार की धारणा खराब होने से रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में नौ पैसे कमजोर होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.67 पर आ गया। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों ने अमेरिकी डॉलर और /भारतीय रुपये पर दबाव बढ़ा दिया। इससे अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.65 प्रति डॉलर पर खुला। फिर डॉलर के मुकाबले 85.67 पर आ गया, जो पिछले बंद भाव से नौ पैसे की गिरावट रही। वहीं गत दिवस मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.58 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.47 फीसदी की गिरावट के साथ 99.65 पर रहा।

उतार-चढ़ाव के बाद हरे निशान पर बंद हुआ बाजार; सेंसेक्स 410 अंक चढ़ा, निफ्टी 24800 के पार

नई दिल्ली (ए.)। घरेलू शेयर बाजार बुधवार को उतार-चढ़ाव के बाद हरे निशान पर बंद होने में सफल रहा। हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बीएसई सेंसेक्स में 410 अंक की बढ़त दर्ज की गई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 410.19 अंक या 0.51 प्रतिशत उछलकर 81,596.63 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 835.2 अंक या 1.02 प्रतिशत की बढ़त के साथ 82,021.64 अंक पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 129.55 अंक या 0.52 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,813.45 पर आ गया।

बुधवार के कारोबारी सत्र के दौरान ब्लू-चिप कंपनियों जैसे एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक में अधिक खरीदारी दिखी। एशियाई बाजारों में मजबूत रुख के कारण तीन दिन से जारी गिरावट का सिलसिला थम गया।

सेंसेक्स कंपनियों का कैसा रहा हाल?

सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फिनसर्व, टाटा स्टील, सन फार्मा, टेक महिंद्रा, बजाज फाइनेंस, एनटीपीसी, नेस्ले, टाटा मोटर्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर और महिंद्रा एंड महिंद्रा सबसे ज्यादा लाभ में रहीं। वहीं इंडसइंड बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, पावर ग्रिड और आईटीसी पिछड़ गए।

मूडीज की सकारात्मक टिप्पणी का भारतीय बाजार पर असर

मूडीज रेटिंग्स की बुधवार को जारी रिपोर्ट ने भारत की अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक टिप्पणी ने भी भारतीय बाजार पर असर डाला। रिपोर्ट के अनुसार भारत अमेरिकी टैरिफ और वैश्विक व्यापार व्यवधानों के नकारात्मक प्रभावों से निपटने के लिए अच्छी स्थिति में है। भारत की बड़ी घरेलू अर्थव्यवस्था और निर्यात पर कम निर्भरता स्थिति को मजबूत बनाती है। एजेंसी ने कहा कि सरकार की निजी खपत बढ़ाने, उद्योगों की क्षमता बढ़ाने और बुनियादी ढांचे पर खर्च बढ़ाने की योजनाएं वैश्विक मांग में कमी के प्रभाव को कम करेंगी।

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, बाजार में आज सकारात्मक रुख रहा। हालांकि,कुल मिलाकर धारणा सीमित दायरे में ही रही। भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता के आसपास अनिश्चितता बढ़ रही है। यह निकट भविष्य में बाजार में उतार-चढ़ाव को दर्शाता है।

यूरोप के बाजारों में दिखी गिरावट

एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कोस्पी, शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग लाभ में बंद हुए, जबकि जापान का निक्केई 225 सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुआ। यूरोप के बाजार नकारात्मक क्षेत्र में कारोबार कर रहे थे। मंगलवार को अमेरिकी बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ।

वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 1.19 प्रतिशत उछलकर 66.16 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। एक्सचेंज डेटा के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को 10,016.10 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। मंगलवार को बीएसई सेंसेक्स 872.98 अंक या 1.06 प्रतिशत गिरकर 81,186.44 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 261.55 अंक या 1.05 प्रतिशत गिरकर 24,683.90 पर बंद हुआ।

EPFO: ईपीएफओ से मार्च 2025 में 14.5 लाख सदस्य जुड़े, रोजगार में इजाफे का मिलता है संकेत

नई दिल्ली (ए.)। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) से मार्च 2025 में 14.58 लाख नए सदस्य जुड़े हैं। यह आंकड़ा पिछले साल की तुलना में 1.15 प्रतिशत अधिक है। ईपीएफओ से अकेले मार्च में लगभग 7.54 लाख सदस्य पहली बार पंजीकृत हुए। जो फरवरी की तुलना में 2.03 प्रतिशत ज्यादा है। वहीं मार्च 2024 की तुलना में 0.98 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई।

श्रम व रोजगार मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि ईपीएफओ में साल दर साल सदस्यों के नामांकन में बढ़ोतरी हो रही है। यह रोजगार के अवसरों में वृद्धि और कर्मचारी लाभों के बारे में बढ़ती जागरूकता को दर्शाती है, जो ईपीएफओ की प्रभावी पहुंच पहलों से बढ़ी है।

18 से 25 साल के युवाओं का दबदबा

डेटा बताती है कि 18 से 25 साल की आयु के लोगों का दबदबा सबसे ज्यादा है। इस आयु वर्ग में 4.45 लाख नए सदस्य जोड़े गए, जो मार्च 2025 में जोड़े गए कुल नए सदस्यों का 58.94 प्रतिशत है। मार्च 2025 में इस आयु वर्ग में नए सदस्यों की संख्या में फरवरी 2025 की तुलना में 4.21 प्रतिशत की वृद्धि हुई । वहीं मार्च 2024 की तुलना में 4.73 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

घर में ही ट्रंप की किरकिरी, एनवीडिया चीफ बोले- चीन को एआई चिप निर्यात पर अमेरिका का नियंत्रण गलत फैसला

नई दिल्ली (ए.)। टैरिफ और वैश्विक बाजार पर अपने रोज नए बयानों के कारण अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दोबारा सत्ता संभालाने के बाद खासे चर्चा में रहे हैं। इस दौरान उन्होंने कई ऐसे फैसले भी लिए जिनकी खासी अलोचना हुई। ऐसा ही एक फैसला चीन को एआई चिप निर्यात करने पर रोक लगाने का भी था। अब इस मामले में उनकी अपने घर में ही किरकिरी हो रही है। एनवीडिया के मुख्य कार्यकारी जेन्सन हुआंग के अनुसार, चीन को कृत्रिम बुद्धिमत्ता चिप्स पर अमेरिका की ओर से लगाया गया निर्यात नियंत्रण "विफल" रहा है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने यह जानकारी दी है। हुआंग के अनुसार, "कुल मिलाकर, निर्यात नियंत्रण विफल रहा। उन्होंने आगे कहा, "शुरुआत में एआई के प्रसार नियम को जन्म देने वाली मूलभूत धारणाएं, सबसे पहले, मौलिक रूप से त्रुटिपूर्ण साबित हुई हैं।"

उन्होंने तर्क दिया कि त्रुटिपूर्ण प्रारंभिक धारणाओं पर आधारित इन नियंत्रणों ने चीनी कंपनियों को हुआवेई जैसी घरेलू फर्मों से चिप्स खरीदने के लिए प्रेरित किया है और चीन को आक्रामक रूप से अपनी स्वतंत्र सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला बनाने के लिए प्रेरित किया है।

हुआंग की टिप्पणी सोमवार को चीन की आलोचना के बाद आई, जिसमें अमेरिका से "अपनी गलतियों को तुरंत सुधारने" और अमेरिकी मार्गदर्शन के बाद "भेदभावपूर्ण" उपायों को रोकने का आग्रह किया गया था। इन उपायों के तहत कंपनियों को चीन से उन्नत कंप्यूटर चिप्स का उपयोग न करने की चेतावनी दी गई थी। इन चिप्स में हुआवेई के एस्केंड एआई चिप्स भी शामिल हैं।

चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने दावा किया कि इन अमेरिकी कार्रवाइयों ने व्यापार वार्ता को कमजोर किया और दृढ़ प्रतिवाद की धमकी दी। ताइपे में कंप्यूटेक्स में बोलते हुए, हुआंग ने यह भी कहा कि बिडेन प्रशासन की शुरुआत के बाद से चीन में एनवीडिया की बाजार हिस्सेदारी 95% से घटकर 50% हो गई है।

हाल ही में, फॉक्सकॉन होन हाई टेक्नोलॉजी ग्रुप ने एनवीडिया और ताइवान सरकार के साथ मिलकर एक एआई फैक्ट्री सुपरकंप्यूटर विकसित किया है। जिससे अत्याधुनिक एनवीडिया ब्लैकवेल इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार होगा और यह शोधकर्ताओं, स्टार्टअप और उद्योगों की मदद करेगा।

साझेदारी के हिस्से के रूप में, फॉक्सकॉन अपनी सहायक कंपनी बिग इनोवेशन के जरिए एनवीडिया से क्लाउड पार्टनर के रूप में एआई इंफ्रास्ट्रक्चर प्रदान करेगा। एनवीडिया के अनुसार इस इंफ्रास्ट्रक्चर में 10,000 एनवीडिया ब्लैकवेल जीपीयू होंगे। एआई से जुड़ी यह आधारभूत संरचना एआई कंप्यूटिंग उपलब्धता का विस्तार करेगी।

नई दिल्ली,(ए.)। चेक से लेन-देन करने वाले हो जाएं होशियार। देशभर में बढ़ते चेक बाउंस मामलों को देखते हुए सरकार ने 1 अप्रैल 2025 से नए और सख्त नियम लागू कर दिए हैं। इनका मकसद वित्तीय धोखाधड़ी पर शिकंजा कसना है, लेन-देन में पारदर्शिता लाना और शिकायतों का निपटारा करना है। अब अगर कोई जानबूझकर चेक बाउंस करता है, तो उसे दो साल जेल में काटने होंगे। साथ ही, दोषी व्यक्ति को चेक की रकम के दोगुने तक जुर्माना भी भरना होगा।

बता दें पहले शिकायत दर्ज करने की समयसीमा सिर्फ एक महीना थी, जिसे अब बढ़ाकर तीन महीने कर दिया है। इसके अलावा अब चेक बाउंस की शिकायत ऑनलाइन की जा सकेगी और ईमेल या एसएमएस जैसे डिजिटल सबूतों को भी कोर्ट में मान्यता मिलेगी। बैंक के लिए यह भी अनिवार्य किया गया है कि चेक बाउंस होने पर 24 घंटे के अंदर खाताधारक और चेक प्राप्तकर्ता दोनों को एसएमएस और ईमेल के जरिए सूचित करें।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

कोई और पद स्वीकार नहीं

हाल में सर्वोच्च न्यायपालिका के जजों का जिस तरह का आचरण रहा है, उसे देखते हुए जस्टिस संजीव खन्ना के इस एलान का महत्त्व और भी अधिक महसूस हुआ है कि रिटायरमेंट के बाद वे कोई पद स्वीकार नहीं करेंगे। यह उत्कृष्ट उदाहरण है।

निवर्तमान प्रधान न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना ने अपने कार्यकाल के आखिरी दिन यह प्रशंसनीय घोषणा की कि रिटायरमेंट के बाद वे कोई और पद स्वीकार नहीं करेंगे। इस तरह जस्टिस खन्ना ने एक बेहतरीन मिसाल कायम की है। हाल में सर्वोच्च न्यायपालिका के जजों का जिस तरह का आचरण रहा है, उसे देखते हुए इस एलान का महत्त्व और भी अधिक महसूस हुआ है।

हालांकि इस अप्रिय घटनाक्रम की शुरुआत कई दशक पहले हो गई थी, लेकिन हाल के वर्षों में यह एक बड़ी बीमारी बन गई। रिटायर होते ही राज्यपाल, राज्यसभा के सदस्य, आयोगों या पंचाटों के अध्यक्ष आदि जैसे पद स्वीकार करने वाले जजों की सूची लंबी होने लगी।

नतीजा हुआ है कि आज अदालतें जब कोई राजनीतिक महत्त्व का फैसला देती हैं, तो सार्वजनिक चर्चाओं में संबंधित न्यायाधीशों की मंशा या उनकी आगे की गणना की चर्चा होने लगती है। इस तरह न्यायिक निर्णयों की पवित्रता प्रभावित हुई है। उसका असर न्यायपालिका की साख पर पड़ा है। कभी सार्वजनिक दायरे में ये बहस उठी थी कि जजों और ऊंचे पदों पर आसीन नौकरशाहों को रिटायरमेंट के बाद अगला कोई पद स्वीकार करने के पहले कुछ वर्षों का एक कूलिंग पीरियड होना चाहिए।

मगर व्यवहार में इसके विपरीत रुझान आगे बढ़ा और आज वो चर्चा बेमायने मालूम पड़ती है। मगर वो जन आकांक्षाएं खत्म नहीं हुई हैं। बल्कि सिर्फ कार्यपालिका, नौकरशाही और विधायिका से जुड़ी शख्सियतों को लेकर समाज में व्यग्रता बढ़ी है और धीरे-धीरे न्यायपालिका उसके दायरे में आ गई है। इससे पूरी राज्य-व्यवस्था की साख प्रभावित होने की आशंका पैदा हो गई है।

इस पृष्ठभूमि में जस्टिस खन्ना की घोषणा ताजा हवा के झोंके की तरह आई है। प्रधान न्यायाधीश के रूप में उनका छोटा कार्यकाल भी एक बेहतर अहसास छोड़ गया है। उनके अनेक पूर्ववर्तियों के कार्यकाल में जिस तरह के विवाद उठे, जस्टिस खन्ना का कार्यकाल उनसे मुक्त रहा। उन्होंने कमोबेश उन अपेक्षाओं को पूरा किया, जो एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में न्यायपालिका प्रमुख से होती है। आशा है, उनके उत्तराधिकारी ऐसी ही विरासतों का अनुकरण करेंगे और न्यायपालिका की गरिमा को बहाल करने में सहायक बनेंगे।

अफ्रीका महाद्वीप में चिंताजनक स्थिति

भारत डोगरा

वर्ष 2025 के आरंभ में अफ्रीका महाद्वीप में चिंताजनक स्थिति को देखते हुए यहां शांति प्रयासों को और सशक्त करने की चर्चा थी।

अब लगभग चार महीनों के बाद हम जो स्थिति देख रहे हैं, वह चिंताओं को कम नहीं करती है अपितु और बढ़ाती ही है क्योंकि इस दौरान सबसे संवेदनशील क्षेत्रों-सोमालिया, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो तथा सूडान एवं दक्षिण सूडान के हालात तेजी से और बिगड़े हैं।

सूडान में दो वर्ष से यानी अप्रैल, 2023 से गृह युद्ध चल रहा है। इससे पहले यहां अन्य गृह युद्ध भी हो चुके हैं और सूडान से अलग होकर एक नया देश वर्ष 2011 में ही बन चुका है। अत: इस क्षेत्र में वैसे ही अमन-शांति बनाए रखने की बहुत जरूरत है पर वास्तविकता इससे विपरीत रूप में सामने आ रही है। सूडान में दो वर्षो से चल रहे गृह युद्ध में 150,000 लोग मारे गए हैं और 1 करोड़ 20 लाख लोग विस्थापित हुए हैं। तिस पर यदि आप यह याद रखें कि इनमें से बहुत से लोग पहले से अभावग्रस्त रहे हैं तो आप समझ सकते हैं कि यहां की मानवीय त्रासदी कितनी गहरी हो चुकी है। महिलाओं सहित अनेक लोगों को बहुत अत्याचार सहने पड़े हैं।

चूंकि सूडान के कुछ पड़ोसी देश स्वयं अभाव और हिंसा से त्रस्त हैं अत: बड़ा सवाल यह है कि सूडान की हिंसा से बचते हुए लोग आखिर, सुरक्षा के लिए जाएं तो जाएं कहां। इस स्थिति को दक्षिण सूडान की तेजी से बिगड़ती स्थिति ने और विकट बना दिया है। वर्ष 2011 में स्वतंत्र देश के रूप में अस्तित्व में आने के बाद वर्ष 2013 में दक्षिण सूडान में गृह युद्ध आरंभ हो गया था। यह पांच वर्ष तक चला। अनुमान है कि इसमें लगभग 4 लाख लोग मारे गए और लगभग 40 लाख लोग विस्थापित हुए। वर्ष 2018 में यह देश सुलह-समझौते की ओर बढ़ा। जो समझौता हुआ, उसमें हिंसा तो थम गई पर इसका आधार मजबूत नहीं था। इस वर्ष यह कमजोर आधार भी टूटने लगा है।

जिन मुख्य नेताओं को विभिन्न अपने जातीय आधार पर सरकार में शीर्ष के स्थान दिए गए थे, उनमें आपसी मतभेद और टकराव आ गया है और डर है कि जातीय हिंसा फिर भड़क सकती है। उधर बड़े पड़ोसी देश सूडान में जो गृह युद्ध चल रहा है, उसका एक गुट भी दक्षिण सूडान में हिंसा भड़काने में लगा है। इस कारण यह खतरा बढ़ गया है कि इन दोनों देशों की हिंसा आपस में मिल कर एक और भी बड़ी मानवीय त्रासदी का रूप ले सकती है। इस हिंसा के तार कहीं न कहीं संसाधनों और भूमि को हड़पने के कुप्रयासों से जुड़ते हैं और इस होड़ में शक्तिशाली विदेशी तत्व भी जुड़े हुए हैं।

इस कारण यह संभावना बढ़ जाती है कि विभिन्न विरोधी गुटों को अलग-अलग विदेशी स्रोतों से धन मिलता रहेगा जिससे वे अधिक विध्वंसक हथियार खरीद सकेंगे और इस तरह विनाश बढ़ता रहेगा। इसी तरह यदि डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो जैसे बड़े और महत्त्वपूर्ण देश को देखें तो वहां सोने और अन्य बहुमूल्य खनिजों की बहुत उपलब्धि है और इसे हड़पने के प्रयासों में लगी ताकतें हिंसक हमले करते रहती हैं। यह प्रवृत्ति तब और तेज हो जाती है जब यहां की केंद्रीय सरकार कमजोर पड़ती है। ये हमलावर तव विदेशों से तो सहायता प्राप्त करते ही हैं साथ में कई बार तो विदेशी सेना स्वयं बहुत प्रत्यक्ष रूप में हमले में नजर आती है। हाल के महीनों में खनिजों की दृष्टि से संपन्न पूर्वी क्षेत्रों में विदेश से जुड़े सैनिक तेजी से आगे बढ़े हैं। यहां ध्यान रखना जरूरी है कि हाल के दशकों में अफ्रीका का सबसे बड़ा युद्ध डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो को केंद्र में रख कर ही हुआ था जिसमें आसपास के अनेक अन्य देश भी शामिल हो गए थे। इस इतिहास को देखते हुए इस ओर विशेष ध्यान देने की जरूरत है कि यहां की स्थिति अधिक विकट न बने।

इसके अतिरिक्त इथिओपिया, लीबिया, मोजाम्बिक, सोमालिया और सेहल क्षेत्र के देशों में हाल में स्थितियां चिंताजनक रही हैं। मानवीय संकट बढ़ती भूख, विस्थापन और शरणार्थियों की समस्या के रूप में विकट हो रहा है। जलवायु बदलाव के दौर में प्रतिकूल मौसम की मार अनेक देशों को सहनी पड़ रही है। बढ़ते अभाव और भुखमरी के बीच बाहर से पहुंचने वाली सहायता सामग्री और खाद्य भी जरूरत से बहुत कम पड़ रहे हैं। इस स्थिति में अंतरराष्ट्रीय समुदाय को अफ्रीका के लोगों के दुख-दर्द को कम करने में वहां अमन-शांति कायम करने पर अधिक ध्यान देना चाहिए। हाल के अनुभवों से यह भी स्पष्ट हो जाता है कि अलगाववाद के रूप में समस्याओं के समाधान को खोजना निर्थक ही नहीं खतरनाक भी सिद्ध हो रहा है। सूडान में बढ़ती समस्याओं के बीच कुछ लोगों ने यह समाधान खोजा कि अपना अलग देश दक्षिण सूडान बना लें। अलग होकर यह नया देश बन भी गया और इसे मान्यता भी मिल गई। पर इसके बावजूद कुछ ही समय बाद दक्षिण सूडान का अपना गृह युद्ध भी आरंभ हो गया। अब स्थिति यह है कि सूडान में बेहद हिंसक युद्ध चल रहा है और दक्षिण सूडान के हालात यदि समय रहते नहीं संभाले गए तो यह देश नये गृह युद्ध की ओर जा सकता है। सोमालिया में भी यही स्थिति देखी जा सकती है। यहां काफी समस्याएं बढ़ जाने के बाद देश का एक भाग सोमालीलैंड के रूप में वर्ष 1991 में अलग हो गया, हालांकि इसे संयुक्त राष्ट्र संघ के स्तर पर या अन्य व्यापक स्तर पर मान्यता नहीं मिल सकी पर कुछ समय बाद सोमालीलैंड में अपने झगड़े आरंभ हो गए। हाल के वर्षो में ये बढ़ गए और गृह युद्ध जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई। हिंसक झड़पों के बाद एक बड़े भाग ने अपना अलग अस्तित्व बनाने की कोशिश की। कुछ समय पहले, इस वर्ष अप्रैल में, इसका विलय सोमालिया में हो गया। इस तरह काफी हिंसा के बाद सोमालीलैंड का एक बड़ा भाग तो वापस सोमालिया में ही पहुंच गया।दूसरी ओर, सोमालिया में भी आतंकवादी संगठन सक्रिय हैं और दो अन्य क्षेत्र सोमालिया से फिर अलग होने की स्थिति में हैं। इस तमाम हिंसा में जनसाधारण पिसते रहे हैं। उधर विभिन्न विदेशी साधन-संपन्न ताकतें भी इस हिंसा को भड़का ही रही हैं। इनमें से कुछ देश सोमालिया की मदद कर रहे हैं तो कुछ सोमालीलैंड की। उनके द्वारा दी गई सहायता से अधिक तबाही हो रही है। सोमालीलैंड में कुछ विदेशी ताकतें सैन्य अड्डा बनाना चाहती हैं तो सोमालीलैंड को इस आधार पर और समर्थन मिल सकता है, पर सोमालिया का कहना है कि ऐसी भूमि लीज पर देने का हक केवल सोमालिया को है, सोमालीलैंड को नहीं है और इस कारण यहां के टकराव और बढ़ रहे हैं। अत: इन विभिन्न अनुभवों से सबक लेते हुए अलगाववाद और विशेषकर हिंसक अलगाववाद को छोड़ कर सार्थक बदलाव की अहिंसक राह पर चलने के साथ अमन-शांति के व्यापक प्रयास करने चाहिए।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और दिल्ली के मंत्री आशीष सूद नई दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर खालसा तिरंगा यात्रा के दौरान अन्य लोगों के साथ।

तमस से ज्योति की ओर एक सुधारवादी यात्रा

ललित गर्ग

यह वह समय था जब हिन्दुस्तान एक तरफ विदेशी दासता की बेड़ियों में जकड़ा हुआ था वहीं दूसरी तरफ रूढ़िवाद, धार्मिक संकीर्णता, सामाजिक कुरीतियों और दमघोंटू प्रथाओं के बोझ तले दबा हुआ था। तभी एक मसीहा, समाज-सुधारक एवं क्रांतिकारी महामानव अवतरित हुआ जिसने तमाम बुराइयों को चुनौती दी और आखिरी सांस तक बदलाव के लिये क्रांतिकारी योद्धा की तरह लड़ा। ये मसीहा था राजा राममोहन राय। इन्हें देश एवं दुनिया आज भारत में सामाजिक सुधारों के अग्रदूत के तौर पर याद करती है। अपने दौर में वे 'भारतीय पुनर्जागरण के पितामह' बनकर सच्चे जीवन की लौ बनें और इस लौ का आह्वान था नये भारत का निर्माण। वे तमस से ज्योति की ओर एक बहुआयामी सुधारवादी यात्रा का उजाला थे। बहुमुखी प्रतिभा के धनी राय के द्वारा स्थापित 'ब्रह्म समाज', जो आधुनिक पश्चिमी विचारों से प्रभावित था, सबसे शुरुआती सुधार आंदोलन था। एक सुधारवादी विचारक के रूप में राय आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानवीय गरिमा तथा सामाजिक समानता के सिद्धांतों में विश्वास करते थे। राय के प्रयासों से ही भारत में आधुनिक धार्मिक और सामाजिक सुधार आंदोलनों की नींव पड़ी। राय के बाद, देवेंद्रनाथ ठाकुर और केशव चंद्र सेन जैसे सुधारकों ने ब्रह्म समाज के विचारों को आगे बढ़ाया और इसे एक राष्ट्रीय आंदोलन बनाया। उन्नीसवीं सदी के भाल पर अपने कर्तृत्व की जो अमिट रेखाएं उन्होंने खींची, वे इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगी। वे साहित्यस्रष्टा के साथ-साथ धर्मक्रांति एवं समाजक्रांति के सूत्रधार विराट व्यक्तित्व थे।राजा राम मोहन राय का जन्म पश्चिम बंगाल स्थित हुगली जिले के राधानगर गांव में 22 मई 1772 को हुआ। पिता रमाकांत राय शुद्ध वैष्णव परंपरा को मानने वाले थे, वहीं माता तारिणी देवी धार्मिक विचारों की महिला थीं। पूरा परिवार कट्टर हिन्दु परंपराओं का हिमायती था लेकिन राममोहन राय को बिना तर्क किसी भी बात को स्वीकार नहीं करते थे, इसलिए जब केवल 15 साल के थे तो उन्होंने मूर्ति पूजा को लेकर सवाल खड़े कर दिये।

जीईएम-सार्वजनिक खरीद को आकर्षक बनाने का सार्थक प्रयास

पीयूष गोयल

सार्वजनिक खरीद के लिए पारदर्शी, समावेशी एवं कुशल मंच प्रदान करने के एक अग्रणी उपाय के रूप में, गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) पूरी दुनिया में तेजी से उभरा है। यह प्लेटफॉर्म 1.6 लाख से अधिक सरकारी खरीदारों को 23 लाख विक्रेताओं एवं सेवा प्रदाताओं से जोड़ता है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' के दृष्टिकोण का एक प्रमुख वाहक बन गया है।

प्रधानमंत्री मोदी द्वारा इस परिवर्तनकारी डिजिटल पहल को शुरू किए जाने के बाद से नौ वर्षों के दौरान, जीईएम ने भ्रष्टाचार को खत्म करके और स्टार्टअप, एमएसएमई, महिलाओं एवं छोटे शहरों के व्यवसायों को व्यावसायिक अवसर प्रदान करके सरकार द्वारा वस्तुओं एवं सेवाओं की खरीद के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव ला दिया है। उपयोगकर्ताओं के अनुकूल माना जाने वाला यह प्लेटफॉर्म एक ऐसा सच्चा रत्न है, जिसने कुख्यात आपूर्ति एवं निपटान महानिदेशालय (डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सप्लाइज एंड डिस्पोजल्स) की जगह ले ली है। इस महानिदेशालय की अपारदर्शी और गैर-प्रतिस्पर्धी प्रणालियां कुछ विशेषाधिकार प्राप्त लोगों को अनुचित लाभ प्रदान करती थीं। इसलिए यह उचित ही है कि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय का नया कार्यालय, वाणिज्य भवन, उस भूमि पर बनाया गया है जिस पर कभी यह पुराना निकाय स्थित था।शानदार प्रगति - वर्ष 2016 में स्थापना के बाद से, जीईएम पोर्टल पर 13.4 लाख करोड़ रुपये से अधिक के ऑर्डर का लेन-देन किया गया है। वर्ष 2024-25 के दौरान, इस प्लेटफ़ॉर्म पर सार्वजनिक खरीद बढ़कर रिकॉर्ड 5.43 लाख करोड़ रुपये की हो गई। जीईएम का लक्ष्य वर्तमान वित्त वर्ष में अपने वार्षिक कारोबार को बढ़ाकर 7 लाख करोड़ रुपये करना है। जीईएम निस्संदेह सार्वजनिक खरीद से जुड़े परिदृश्य में एक असाधारण तकनीकी उपाय के रूप में उभरा है। कारोबार के आकार की दृष्टि से, जीईएम निकट भविष्य में दुनिया का सबसे बड़ा सार्वजनिक खरीद पोर्टल बन जाएगा और दक्षिण कोरिया के कोनेप्स जैसी सुप्रतिष्ठित संस्थाओं को पीछे छोड़ देगा। जीईएम ने ईमानदारी से व्यावसाय करने प्रतिष्ठानों को व्यापक अवसर प्रदान किए हैं, नौकरियां सृजित की हैं और भारत के आर्थिक विकास को प्रोत्साहित किया है। इस संदर्भ में, जीईएम का महत्व वित्तीय दृष्टि से इसकी अभूतपूर्व प्रगति से कहीं बढ़कर है जो अपने आप में ई-कॉमर्स से जुड़ी किसी भी बड़ी कंपनी को हैरान कर देने के लिए काफी है।न्यायसंगत विकास का वाहक - जीईएम प्रधानमंत्री मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास' मिशन के अनुरूप न्यायसंगत विकास के एक महत्वपूर्ण वाहक के रूप में कार्य करता है। यह स्टार्टअप, छोटे व्यवसायों और महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों को बिना किसी बिचौलियों के सरकारी खरीदारों के सामने अपने उत्पादों एवं सेवाओं को प्रदर्शित करने का एक आसान रास्ता प्रदान करता है। प्रवेश की सभी बाधाओं को दूर करके, यह प्लेटफॉर्म छोटे घरेलू व्यवसायों को ई-टेंडर में भाग लेने और अपने व्यवसाय का विस्तार करने का अधिकार देता है। समावेशिता के सिद्धांत से प्रेरित, जीईएम ने छोटे व्यवसायों के विकास को समर्थन देने के उद्देश्य से विभिन्न रणनीतिक पहलों का समावेश किया है। इनमें सरकारी खरीदारों को सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों (एमएसई) और महिलाओं के नेतृत्व वाले व्यवसायों द्वारा पेश किए जाने वाले उत्पादों एवं सेवाओं की पहचान करने तथा उनका चयन करने में मदद करने वाली प्रणालियां शामिल हैं।लक्ष्य से आगे - जीईएम पर स्टार्टअप रनवे और वुमनिया जैसे समर्पित स्टोरफ्रंट ने इन व्यवसायों की दृश्यता के साथ-साथ सार्वजनिक खरीद में उनकी हिस्सेदारी को भी प्रभावी ढंग से बढ़ाया है। इससे सरकार को सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों (एमएसई) से 25 प्रतिशत खरीद और महिलाओं के नेतृत्व वाले व्यवसायों से 3 प्रतिशत खरीद के अपने लक्ष्यों को पूरा करने और उससे आगे निकलने में मदद मिली है। जीईएम पर किए गए कुल कारोबार का लगभग 38 प्रतिशत हिस्सा सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों (एमएसई) को दिया गया है और महिला उद्यमों द्वारा खरीद की हिस्सेदारी लगभग 4 प्रतिशत है।

मेष राशि : आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आज किसी बड़े मामलों पर समझौता करने और सहयोग करने के लिए आप तैयार रहें। कई दिनों से रुके हुए काम आज पूरे हो जाएंगे। धैर्य से आज आपके सारे काम बनते नजर आएंगे। आज कई महत्वपूर्ण कामों में बदलाव होंगे। इस स्थिति में किस्मत आपका साथ देगी। निवेश करने से पहले अपने बड़ों की राय जरूर लें।

वृष राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज किसी घर के काम में आपको जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा, जिससे कार्य जल्द पूरा करने में सफलता मिलेगी। ऑफिस के कामों में दूसरों की राय लेने से बचें, बेहतर यही होगा की किसी अपनों की काम में मदद लें तो काम आसानी से पूरे होंगे। आपकी मेहनत आज आपके जीवन में सफलता के रंग भर देंगी। आज पारिवारिक रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी।

मिथुन राशि : आज आपका दिन उत्साह से भरा रहेगा। आपको महत्वपूर्ण समाचार मिल सकता है। आज कोर्ट कचहरी के मामलों में जीत हासिल हो सकती है। आज समाज में मान-सम्मान में बढ़ोतरी होगी। आज कारोबार में सफलता और नौकरी में तरक्की हो सकती है। आज सामाजिक क्षेत्र में आपकी सराहना होगी। आज कार्यों में किसी मित्र का सहयोग मिलेगा। आपकी आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर रहेगी।

कर्क राशि : आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आपकी गुम हुई वस्तु आज अचानक मिल जाएगी। आज आपको इनवेस्ट में लाभ होगा। इस राशि वाले लोगों को अपने जीवनसाथी से आज गिफ्ट मिल सकता है, जिससे आप दोनों के रिश्ते में मधुरता बढ़ेगी। आज दूसरों की बात भी अच्छे से समझने की कोशिश करें, इससे आपको लाभ मिलेगा। आज दोस्त आपसे मदद के लिए कह सकते है।

सिंह राशि : आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनी रही रहेगी। आज अपने कामों में कामयाबी का परचम लहरायेंगे। आज खुद को मेंटली और फिजिकली फिट महसूस करेंगे। अगर आप नये वाहन को खरीदने की सोच रहें है तो खरीद लें। व्यापार में आज आपको लाभ मिलने के आसार नजर आ रहें हैं। पुराने मित्रों से आज आपकी मुलाकात हो सकती है।

कन्या राशि : आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आपका रुझान रचनात्मक कार्यों की तरफ ज्यादा रहेगा। नई प्रॉपर्टी खरीदने के लिए आज का दिन शुभ है। घर की साज-सजावट के लिए घरेलू उपकरणों से जुड़ी खरीददारी करने के लिए जीवनसाथी के साथ मार्केट जाएंगे।

तुला राशि : आज आपका दिन खुशियों भरा रहेगा। आज किसी काम को पूरा करने का प्रयास सफल रहेगा। आज परिजनों से शुभ समाचार मिलेंगे और आपके आत्मसम्मान में वृद्धि होगी। आर्थिक तौर पर यह समय आपके लिए फूंक-फूंक कर कदम रखने वाला होगा। आपके ख़र्चे बढ़ने संभव हैं। आज किसी व्यक्ति विशेष से आपको मदद मिल सकती है। रात को बाहर दोस्त के साथ डिनर करने जाएंगे।

वृश्चिक राशि: आज का दिन लकी है। आज के दिन की शुरुआत अच्छे विचारों से होगी। जो लोग मिट्टी के व्यवसाय से जुड़े है उनके लिए आज का दिन फायदेमंद रहेगा। आज मेहनत और व्यवहार के कारण आपको धनलाभ होगा। विरोधी पक्ष आज आपसे दूरियां बनाकर रहेगा।

धनु राशि: आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज मनोबल का स्तर अच्छा रहने के कारण आपके कार्य अच्छी गति से आगे बढ़ेंगे। आज बिजनेस में परिवर्तन के आसार दिख रहें हैं। ऑफिस में आपकी क्रिएटिविटी पहले से अच्छी बनेगी। आज भाग्य पूरी तरह से आपका साथ देगा। घर के किसी काम को पूरा करने के लिए भाई के साथ विचार-विमर्श करेंगे। इलेक्ट्रोनिक का सामान खरीदने के लिए आज का दिन शुभ हैं।

मकर राशि : आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आज व्यापार को बढ़ाने के लिए नए अवसर मिलेंगे। आज शैक्षणिक कार्यों में मन लगेगा। आज राजनीति में सफलता मिलेगी। पहले किये हुए निवेश का आज लाभ मिलेगा। इस राशि के लोगों को जीवनसाथी से आज बहुत सारा प्यार मिलेगा, जीवनसाथी के साथ किसी धार्मिक स्थल पर जाने का प्लान बनाएंगे। आज मेहनत के मुताबिक सफलता हासिल होगी।

कुंभ राशि : आज का दिन आपके जीवन में नई खुशियां लेकर आएगा। आपका रुझान अध्यात्म के प्रति अधिक रहेगा। माता-पिता के साथ कहीं मंदिर दर्शन के लिए जाएंगे। किसी महत्वपूर्ण कार्य की वजह से मनोरंजन के लिए बनाया हुआ प्लान आज टल सकता है। घर में आज समय ज्यादा व्यतीत करेंगे पैसों से जुड़ी समस्या आज खत्म हो जाएगी।

मीन राशि : आज का दिन आपके लिए बहुत बढ़िया रहेगा। आपको अपने कार्यक्षेत्र में सफलता हासिल होने वाली है। आज करियर को लेकर लाभ मिलने वाला है। जरूरी कार्यों को पूरा करने में किसी मित्र से सहयोग मिलेगा। आज परिवार में एक दूसरे के साथ आपसी सामंजस्य बेहतर होंगे। आज विरोधी आपको नुकसान पहुंचाने का प्रयास कर सकते हैं, इसलिए जितना हो सके आप उनसे दूरियां बनाकर रहें।

अविश्वसनीय पाकिस्तान और डोनाल्ड ट्रंप का अमेरिका

पाकिस्तान के अस्तित्व को खत्म करने का समय।

संजीव ठाकुर

यह बात एकदम सार्वजनिक एवं सर्वविदित है की स्वतंत्रता के बाद से पाकिस्तान धार्मिक कट्टरता एवं आतंकवाद का पोषक देश बनकर उभरा है और तब से ही भारत के विरोध में अमेरिका चीन और गल्फ देशों का समर्थन प्राप्त कर भारत की सीमा में आतंकवादी गतिविधि संचालित करता आया है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद युद्ध स्थगन के बाद पाकिस्तान ने जो अपनी तरफ से भारत की शर्तों में संधि वार्ता की है वह अति अविश्वसनीय है। सीजफायर के बाद 3 घंटे में ही उसने उसका उल्लंघन कर भारत अधिकृत कश्मीर तथा पंजाब में ड्रोन से आतंकी हमले किए हैं इसके अलावा भारत एवं पाकिस्तान के बीच अनेक संधि तथा समझौते हुए जिनका खुला उल्लंघन पाकिस्तान ने किया है इसी तरह अमेरिका ने भी भारत को ऐतिहासिक तौर पर धोखा दिया है।भारत चीन युद्ध और भारत-पाकिस्तान युद्ध में अमेरिका ने हमेशा चीन तथा पाकिस्तान का जोर शोर से साथ दिया है। इसके अलावा डोनाल्ड ट्रंप के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के साथ ही उनके द्वारा घोषित आक्रामक नीति तथा बदलाव के चलते न सिर्फ अमेरिका के जनजीवन का हर पहलू प्रभावित हुआ है बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी हर देश को अपनी नीतियों से आलोचक बनाने के साथ-साथ आश्चर्यचकित भी किया है। इतिहास में ट्रंप ने संयुक्त राज्य अमेरिका मैं अपनी आक्रामक नीति और ध्रुवीकरण से अपने सभी पूर्ववर्ती राष्ट्रपतियों को बहुत पीछे छोड़ दिया है दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद ऐसे परिवर्तनों की झड़ी लगा दी है जिससे न सिर्फ अमेरिका का जीवन परिदृश्य बदल गया है बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सभी देशों को आश्चर्यचकित करने के साथ-साथ बड़ा आलोचक बना दिया है। वाशिंगटन पोस्ट ओं न्यूयॉर्क टाइम्स ने ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के 100 दि1नों का विश्लेषण किया है समाचार पत्र कहते हैं कि राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल का उपयोग अस्थिर कच्ची राजनीतिक शक्ति का प्रयोग करने और देश को अपनी छवि बदलने की इरादे से कई नियमों को तोड़ मरोड़ कर

बदल दिया है। अमेरिका ने इसके पूर्व कभी ऐसी राजनीतिक शक्ति को नहीं देखा है। ट्रंप के बदलाव का असर अर्थव्यवस्था,राष्ट्रीयता शिक्षा एवं व्यापार पर पड़ा है। ट्रंप के इस व्यवहार से उनके सहयोगी देशों और और कट्टर दुश्मन देश को अचंभित कर दिया है। भारतीय संदर्भ में लिया जाए तो डोनाल्ड ट्रंप ने टेरिफ नीति में भारत के साथ बहुत बड़ा धोखा किया है और बड़ा नुकसान पहुंचा है। इसके अलावा ऑपरेशन सिंदूर में भी गलत बयानी देकर पूरे विश्व को भारत का विरोध करते देखा गया है। इसके पूर्व अमेरिका को भारत मित्र की तरफ पेश आता रहा है लेकिन अमेरिका प्रमाणिक तौर पर ट्रंप के शासनकाल में धोखेबाजी का प्रतीक चिन्ह बन गया है। जबकि दूसरी तरफ चीन पाकिस्तान युद्ध में रूस भारत के साथ एक सच्चे मित्र की तरह डटकर सामने खड़ा रहा है इसी तरह ऑपरेशन सिंदूर के समय भी रूस के द्वारा भेजी गई रक्षा प्रणाली ने पाकिस्तान को पस्त कर दिया, पहलगाम में 27 निर्दोष लोगों की हत्या के बाद आतंकवादी पोषक नापाक पाकिस्तान के विरोध में रूस तथा इसराइल खुलकर भारत के समर्थन में आए किंतु अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़बोलापन दिखाकर गलत बयानबाजी कर विश्व में अपनी भारत विरोधी नीति को स्पष्ट कर दिया है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को अमेरिका के प्रयासों से ही लगभग 1अरब डॉलर्स की मदद इंटरनेशनल मोनेटरी फंड से दिलवाई गई। जिसका निश्चित तौर पर पाकिस्तान आतंकवादी गतिविधियों में ही करने वाला है। इस मदद का भारत के आक्रमण से मरे 100 आतंकवादियों को एक-एक करोड़ रुपए देने का निर्णय भी पाकिस्तान सरकार ने निर्णय लिया है। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के बीच आईएमएफ की तरफ से पाकिस्तान को एक अरब डॉलर की सहायता दिए जाने की विरोध में यह कहते हुए बैठक से बहिर्गमन किया था कि इस राशि का इस्तेमाल आतंकवाद फैलाने में किया जाता है। अब इसी पैकेज की अगली किस लिए जाने के लिए पाकिस्तान को 17600 अरब डॉलर के नए बजट को संसद की मंजूरी, नई शर्तों के जुड़ने से आईएमएफ की वित्तीय सहायता पाने के लिए पाकिस्तान पर कुल शर्तें अब बढ़कर 50 हो गई हैं एव इंटरनेशनल मोनेटरी फंड ने अपनी तरफ से कहा है कि पाकिस्तान को उसके सहायता कार्यक्रम के अनुरूप आर्थिक सुधार लागू करने होंगे।

भारत के रक्षा मंत्री ने कहा है की आईएफ को पाकिस्तान को दिए जाने वाले आर्थिक प्रयोजन एवं मदद को तत्काल रोकना होगा क्योंकि पाकिस्तान को किसी भी तरह की आर्थिक मदद सीधे तौर पर स्पष्ट रूप से टेररिस्ट फंडिंग होगी। और इस फंड का इस्तेमाल पाकिस्तान भारत समेत विश्व के अन्य देशों के खिलाफ उपयोग करेगा। भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर करके पाकिस्तान के लिए ऐसा सबक सिखाया है जो उसकी आने वाली पीढ़ी भी याद रखेगी। भारत की तरफ से कहा गया है कि ऑपरेशन सिंदूर खत्म नहीं स्थगित किया गया है अब यदि पाकिस्तान युद्ध में विराम तोड़ेगा तो इस युद्ध के हालात माने जाएंगे और भारत किसका बहुत खड़ा जवाब देने वाला है। वैसे चीन अमेरिका और पाकिस्तान कभी भी विश्वास पात्र देश नहीं रहे हैं और इसमें विशेष तौर पर हमारा निकटस्त पड़ोसी पाकिस्तान सदैव भारत को पल-पल धोखा देता आया है लेकिन अब पाकिस्तान के अंदरूनी हालात ऐसे खराब हैं कि अब पाकिस्तान आने वाले वर्षों में अपने अस्तित्व को बचा नहीं पाएगा इसका एक बड़ा कारण पाकिस्तान में आंतरिक विद्रोह भी है बलूचिस्तान बहुत जल्दी आजाद होने वाला उसके साथ ही सिंध प्रांत में भी विद्रोह के स्वर उभरने लगे हैं, पाकिस्तान सेना पूरी तरह कमजोर हो चुकी है और पाकिस्तान का प्रशासनिक नियंत्रण साफ तौर पर उनके फौजी जनरल और नए बने फील्ड मार्शल असीम मुनीर के हाथों में चला गया है। अमेरिका तथा पाकिस्तान का किसी भी स्तर पर विश्वास किया जाना कतई उचित नहीं होगा।

K K

राष्ट्रीय समाचार

गुरुवार 22 मई 2025,सीहोर

दैनिक क्षितिज किरण 5

हमारी सरकार माओवाद के खतरे को खत्म करने और हमारे लोगों के लिए शांति और प्रगति का जीवन सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध : पीएम मोदी

नई दिल्ली (ए.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में एक बड़े ऑपरेशन में शीर्ष सीपीआई-माओवादी नेता नंबाला केशव राव उर्फ बसवराजू सहित 27 माओवादियों के मारे जाने के बाद भारतीय सुरक्षा बलों के प्रयासों की सराहना की। एक्स पर एक पोस्ट में, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, इस उल्लेखनीय सफलता के लिए हमें अपने बलों पर गर्व है। हमारी सरकार माओवाद के खतरे को खत्म करने और हमारे लोगों के लिए शांति और प्रगति का जीवन सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इससे पहले दिन में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि यह एक बड़ी सफलता है और उन्होंने पुष्टि की कि सुरक्षा बलों ने 27 खूंखार माओवादियों को मार गिराया है, जिनमें सीपीआई-माओवादी के महासचिव बसवराजू भी शामिल हैं। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि नक्सलवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई के तीन दशकों में यह पहली बार है कि सुरक्षा बलों ने महासचिव स्तर के किसी नेता को मार गिराया है। अमित शाह ने कहा कि बसवराजू नक्सली आंदोलन की रीढ़ थे। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट के पूरा होने के बाद छत्तीसगढ़ में 54 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है और 84 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार अगले साल 31 मार्च से पहले नक्सलवाद को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने अपने एक्स पोस्ट में कहा, नक्सलवाद को खत्म करने की लड़ाई में यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। आज छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में एक ऑपरेशन में हमारे सुरक्षा बलों ने 27 खूंखार

छत्तीसगढ़ में 27 खूंखार नक्सलियों के ढेर होने पर बोले पीएम मोदी

माओवादियों को ढेर कर दिया है, जिनमें सीपीआई-माओवादी के महासचिव, शीर्ष नेता और नक्सल आंदोलन की रीढ़ नंबाला केशव राव उर्फ बसवराजू भी शामिल हैं। उन्होंने कहा, नक्सलवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई के तीन दशकों में यह पहली बार है कि एक महासचिव रैंक के नेता को हमारी सेना ने बेअसर कर दिया है। मैं इस बड़ी सफलता के लिए हमारे बहादुर सुरक्षा बलों और एजेंसियों की सराहना करता हूं। यह बताते हुए भी खुशी हो रही है कि ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट के पूरा होने के बाद, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और महाराष्ट्र में 54 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है और 84 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। मोदी सरकार 31 मार्च 2026 से पहले नक्सलवाद को खत्म करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। मुठभेड़ नारायणपुर के अबूझमाड़ के जंगल क्षेत्र में हुई। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने भी इसकी पुष्टि की और कहा कि सुरक्षा बल मार्च 2026 तक बस्तर को नक्सल मुक्त बनाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

जून में पूरा हो जाएगा राम मंदिर का निर्माण

अयोध्या (ए.)। श्री राम जन्मभूमि निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा के अनुसार, अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण 5 जून तक पूरा हो जाएगा। नृपेंद्र मिश्रा ने कहा कि 5 जून तक पूजा-अर्चना के साथ मुख्य मंदिर की स्थापना कर दी जाएगी। मंदिर की पहली मंजिल, दूसरी मंजिल और शिखर का निर्माण हो चुका है। पहली मंजिल पर राम दरबार स्थापित किया जाएगा, जिसमें राम, सीता, लक्ष्मण और हनुमान की मूर्तियां होंगी। इनकी मूर्तियां जयपुर के कारीगरों ने राजस्थान की खानों में पाए जाने वाले बेहतरीन और बेहद प्रतिष्ठित मकराना संगमरमर का इस्तेमाल करके बनाई हैं। नृपेंद्र मिश्रा ने आगे बताया कि जयपुर से मूर्तियां भेजी जा चुकी हैं और 23 जून तक अयोध्या पहुंच जाएंगी। 5 जून तक राम मंदिर परिसर में 14 छोटे मंदिरों की भी प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। एक मुख्य लंबित कार्य जो सितंबर में पूरा हो जाएगा, वह है प्राचीर के एक छोटे हिस्से का निर्माण। उन्होंने कहा कि मुझे मिली जानकारी के अनुसार, ट्रस्ट ने तय किया है कि प्राण प्रतिष्ठा के एक सप्ताह के भीतर, भक्त मंदिरों में जा सकते हैं।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देहरादून में एक राष्ट्र, एक चुनाव विषय पर संयुक्त संसदीय समिति के साथ संवाद कार्यक्रम में भाग लिया।

अगले 48 घंटों तक भारी बारिश, तेज़ हवाएं चलने की संभावना

बेंगलुरु (ए.)। कर्नाटक के बेंगलुरु में बारिश ने लोगों को परेशान कर दिया है। आने वाले दिनों में भी आम जनता को बारिश से राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग की मानें तो आगामी 48 घंटों में बेंगलुरु में तेज हवाएं चलेंगी। इस दौरान तेज से मध्यम बारिश हो सकती है। बेंगलुरु में बाद छाए रहनेंगे। इस दौरान हवा की गति 30-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से बहने वाली है। दिन और रात में तापमान 27 डिग्री सेल्सियस और 20 डिग्री सेल्सियस के रह सकता है। मौसम विभाग की मानें तो 21 मई को बेंगलुरू शहरी, बेंगलुरू ग्रामीण और तुमकुरु जिलों में तेज हवाएं चलने के साथ मध्यम स्तर की बारिश हो सकती है। इस दौरान गरज के साथ तूफान आने की संभावना भी है। वहीं 22 मई तक ये स्थिति जारी रह सकती है। बेंगलुरू में हल्की से मध्यम वर्षा जारी रहने की उम्मीद है।

पाकिस्तान बिगड़ी औलाद, सिखाएंगे सबक' पड़ोसी मुल्क पर भड़के बाबा बागेश्वर

मुजफ्फरपुर (आरएनएस)। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित किए जाने की मांग को लेकर नई पहल की घोषणा की है। उन्होंने बताया कि वह आगामी 7 नवंबर से नई दिल्ली से वृंदावन तक 131 किलोमीटर लंबी पदयात्रा निकालेंगे, जो 10 दिनों तक चलेगी।उन्होंने कहा कि हिंदू राष्ट्र की स्थापना के लिए वह लगातार संघर्षरत रहेंगे। उन्होंने जातिवाद के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि जातियों में बांटकर वोट बैंक की राजनीति अब बंद होनी चाहिए। उन्होंने नेताओं से आग्रह किया कि जातिवाद नहीं, राष्ट्रवाद को प्राथमिकता दें।इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान को बिगड़ी औलाद बताते हुए कहा कि भारत की बेटियों ने ही उसे सीधा कर दिया। बेटों के हाथ कमान दिया तो क्या होगा। अगर पाकिस्तान नहीं सुधरा तो आगे भी सबक सिखाएंगे। साथ ही उन्होंने सीमा राज्यों की सरकारों से आग्रह किया कि वे बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को देश में प्रवेश न दें। उन्होंने कहा कि देश में पहले से ही बड़ी संख्या में गरीब हैं, ऐसे में घुसपैठियों को शरण देना देश को कमजोर करना होगा।

अजमेर में तीन बांग्लादेशी महिलाएं डिटेन, अब तक 38 पर हुई कार्रवाई

अजमेर ,(आरएनएस)। राजस्थान के अजमेर जिला पुलिस ने मंगलवार को एक और बड़ी कार्रवाई करते हुए देश में अवैध रूप से रह रही तीन बांग्लादेशी महिलाओं को हिरासत में लिया है।यह कार्रवाई राजस्थान पुलिस के महानिरीक्षक, सीआईडी (सुरक्षा) जयपुर के निर्देशों के तहत, अजमेर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) डॉ. दीपक कुमार शर्मा तथा वृत्ताधिकारी किशनगढ़ ग्रामीण उमेश गौतम के सुपरविजन में अंजाम दी गई।इस संयुक्त अभियान में जिला विशेष शाखा, सीआईडी जोन अजमेर और पुलिस थाना रूपनगढ़ की टीम ने भाग लिया। इसका मुख्य उद्देश्य राज्य में रह रहे अवैध विदेशी नागरिकों की पहचान कर उन्हें देश से निष्कासित करना है। अब तक इस अभियान के तहत कुल 38 बांग्लादेशी नागरिकों को डिटेन

किया जा चुका है, जिनमें पुरुष और महिलाएं दोनों शामिल हैं। मंगलवार को हिरासत में ली गई तीनों महिलाएं मूल रूप से बांग्लादेश के कुमिल्ला जिले की निवासी हैं, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से अजमेर और जयपुर के ग्रामीण क्षेत्रों में अलग-अलग नामों और पहचान के साथ रह रही थीं। अंजली देवी उर्फ सादिया, पुत्री मोहम्मद कासिम, पत्नी मोहनलाल जाट, वर्तमान में जयपुर जिले के फुलेरा तहसील के टीको की ढाणी गांव की निवासी हैं। कल्पना बेगम उर्फ सपना देवी (35), पत्नी पूरणमल जाट, अजमेर जिले के रूपनगढ़ थाना क्षेत्र के भदूण गांव में रहती थीं और माया देवी उर्फ सुमैया, पत्नी सुगनाराम जाट, रूपनगढ़ थाना क्षेत्र के मोरडी गांव में रह रही थीं। बताया जा रहा है कि ये महिलाएं स्थानीय नागरिकों से विवाह कर यहां रह रही थीं। सभी के दस्तावेजों की जांच की जा रही है और इन्हें निर्धारित प्रक्रिया के तहत संबंधित एजेंसियों द्वारा देश से निष्कासित किए जाने की कार्रवाई जारी है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) डॉ. दीपक कुमार शर्मा ने बताया कि यह विशेष अभियान आगे भी जारी रहेगा और किसी भी अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिक को बख्शा नहीं जाएगा।

नालंदा के नौलखा मंदिर में लूट मामले में पुजारी के भतीजे समेत पांच गिरफ्तार, आठ लाख रुपए बरामद

बिहारशरीफ(आरएनएस)। बिहार के नालंदा जिले के राजगीर में श्वेतांबर धर्मशाला, नौलखा मंदिर की दान पेटी में रखे पैसों के लूट मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में पुजारी के भतीजे सहित पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया है, जिनके पास से लूट के आठ लाख रुपए से ज्यादा की राशि भी बरामद कर ली गई है।पुलिस के एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि 19 मई की रात पुलिस को सूचना मिली कि नौलखा मंदिर में लूट की घटना को अंजाम दिया गया है। पुलिस ने तत्काल घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की छानबीन शुरू कर दी। मंदिर में लगे सीसीटीवी फुटेज को देखने और तकनीक की मदद से घटना के कुछ ही घंटों में पुलिस को सुराग मिल गए।नालंदा के पुलिस अधीक्षक भारत सोनी ने बुधवार को बताया कि मंदिर परिसर के अंदर ही लूट की साजिश रची गई थी। उन्होंने बताया कि विशेष जांच टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पांच बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है। इनमें मुख्य पुजारी का भतीजा पुरी गांव निवासी विनीत कुमार, भतीजा परमीत तिवारी, धर्मशाला का सहायक सुपरवाइजर उपाध्याय टोला निवासी बच्चन उपाध्याय, वारिसलीगंज थाना क्षेत्र के अपसढ़ गांव निवासी कन्हैया कुमार और हीरा कुमार शामिल हैं।

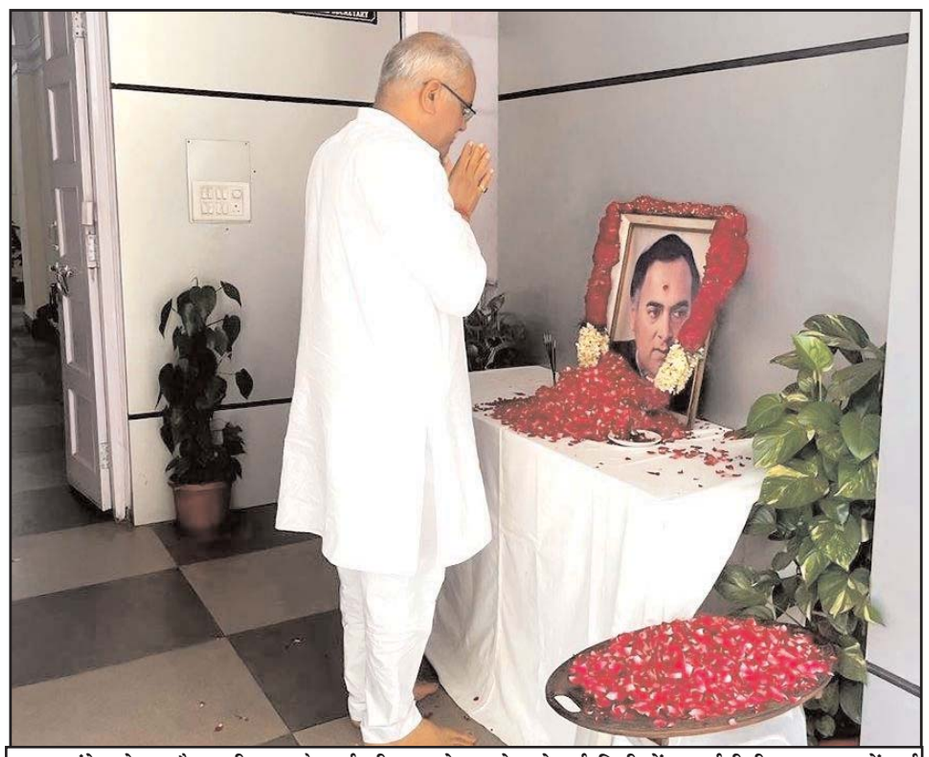

कांग्रेस नेता और छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने नई दिल्ली में एआईसीसी मुख्यालय में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की.

चोर से डेटा साझा कर क्या न्याय की उम्मीद मुमकिन? पाकिस्तान सरकार ही तो करती है आतंकवादियों को फंडिंग : संजय झा

नई दिल्ली(आरएनएस)। पाकिस्तान के खिलाफ भारत के आतंकवाद विरोधी वैश्विक अभियान के तहत पहला प्रतिनिधिमंडल आज जापान रवाना होगा। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे जदयू सांसद संजय झा ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से खास बात की। उन्होंने इस डेलिगेशन के लिए प्रधानमंत्री मोदी का आभार जताया। जदयू सांसद संजय झा ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, दो बातें हैं। पहली, देश दशकों से आतंकवाद झेल रहा है। यह आतंकवाद हमेशा सीमा पार पाकिस्तान से आया है। यह कोई छुपी हुई बात नहीं है। अतीत में, चाहे 2008 का मुंबई हमला हो या पुलवामा हमला, भारत ने हमेशा सारी जानकारी साझा की। हमने कहा, आइए, जांच में शामिल हों। लेकिन, चोर से ही डेटा साझा करें तो क्या उससे न्याय की उम्मीद की जा सकती है? वहां की सरकार ही आतंकवादियों को फंड करती है, सेना के जरिए प्रशिक्षण देती है, योजना बनाती है और उसे अंजाम देती है। उन्होंने कहा, यह भारत के खिलाफ एक प्रॉक्सी युद्ध की तरह है। अब भारत ने ऑपरेशन सिंदूर में साफ कह दिया है कि बहुत हो चुका। नौ आतंकी शिविरों को हमारे वायुसेना के जवानों ने पूरी तरह नष्ट कर दिया। जो तस्वीरें सामने आ रही हैं, उनमें सारी जानकारी है। संजय झा ने कहा, हम प्रधानमंत्री का धन्यवाद करते हैं कि वे सात डेलिगेशन भेज रहे हैं।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत में बढ़े साईबर अटैक, सभी किए नाकाम

-डीएससीआई ने पहली बार किया संयुक्त कार्यबल गठित

नई दिल्ली,(ए)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद से भारतीय व्यवसायों पर नाटकीय रूप से साइबर हमले हो रहे हैं। उद्योग के अनुमान के मुताबिक साइबर हमलों में 1.5 से 3 गुना वृद्धि हुई है। हालांकि सरकारी एजेंसियों, उद्योग निकायों और निजी साइबर सुरक्षा फर्मों के बीच सहयोग से अधिकांश औद्योगिक संस्थान सेंधमारी के इन प्रयासों को विफल करने में सफल रहे हैं। नतीजतन इनका असर बहुत कम हुआ। डेटा सुरक्षा के लिए उद्योग के गैर-लाभकारी निकाय भारतीय डेटा सुरक्षा परिषद (डीएससीआई) ने पहली बार निजी क्षेत्र की कंपनियों सहित अन्य हितधारकों के साथ संयुक्त कार्यबल गठित किया है, जिसका मकसद खतरे की खुफिया जानकारी के मूल स्रोत का पता लगाना और साइबर सुरक्षा के लिए समन्वित कार्रवाई करना है। इसे जवाबी कार्रवाई के हिसाब से सक्रिय किया गया, ताकि साइबर हमले की जानकारी साझा करने और बचाव के लिए उसी अनुरूप त्वरित प्रतिक्रिया देने में मदद मिली। नैसकॉम द्वारा स्थापित डीएससीआई नीति बनाने, क्षमता बढ़ाने और जागरूकता गतिविधियों के लिए सरकारों और उनकी एजेंसियों, नियामकों, उद्योग और उससे जुड़े संगठनों के साथ काम करता है। मीडिया रिपोर्ट में उद्योग जगत के सूत्र के हवाले से बताया गया है कि ऐसा पहली बार है जब हमने विभिन्न विभागों और निजी कंपनियों से इस तरह का एकजुट समर्थन और सूचनाओं के आदान-प्रदान की व्यवस्था देखी। डीएससीआई द्वारा गठित कार्यबल की ओर से खतरे वाले कारकों पर नियमित रूप से जानकारी साझा की गई ताकि जोखिम प्रोफाइल को लगातार अद्यतन किया जा सके। एक सुरक्षा फर्म के वरिष्ठ कार्यकारी ने कहा कि बहुत सारी जानकारी साझा की जा रही थी, जिससे हमलों से निपटने में मदद मिली। अन्यथा हम वही करते जो हम करते आए हैं। जैसे हम अपने ग्राहकों की सुरक्षा तो करते, मगर उसमें व्यक्गित नजरिया अपनाते। अब कई लोगों द्वारा जानकारी साझा करने के कारण हमने अपनी जोखिम प्रोफाइल को अद्यतन करना शुरू कर दिया, जिससे पूरी तस्वीर बदल गई।

रान्या राव गोल्ड स्मगलिंग केस में ईडी का बड़ा एक्शन, कर्नाटक के गृह मंत्री के हॉस्पिटल पर की रेड

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। कन्नड़ फिल्म अभिनेत्री रान्या राव से जुड़े गोल्ड तस्करी और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर से जुड़े अस्पताल और सिद्धार्थ मेडिकल कॉलेज में छापेमारी की है। ईडी की जांच में रान्या राव और गृहमंत्री परमेश्वर से संबंधित मेडिकल कॉलेज के बीच संदिग्ध आर्थिक लेनदेन की जानकारी सामने आई है। ईडी फिलहाल अस्पताल के वित्तीय रिकॉर्ड की गहन जांच कर रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए कई अन्य लिंक भी खंगाले जा रहे हैं।हाल ही में इस हाई-प्रोफाइल गोल्ड स्मगलिंग केस में मुख्य आरोपी रान्या राव और सह आरोपी तरुण कोंडारू राजू को विशेष आर्थिक अपराध अदालत ने जमानत दे दी थी। जस्टिस विश्वनाथ सी. गौदर ने आदेश में कहा कि दोनों आरोपी देश नहीं छोड़ सकते और दोबारा ऐसा अपराध नहीं कर सकते। अगर उन्होंने ये शर्तें तोड़ीं, तो जमानत तुरंत रद्द की जा सकती है।

हालांकि कोर्ट से राहत मिलने के बावजूद, रान्या राव को अभी रिहाई नहीं मिल पाई है। दरअसल, उनके खिलाफ विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी गतिविधियों की रोकथाम अधिनियम (COFEPOSA) के तहत भी मामला दर्ज है। जब तक इस कानून के तहत उन्हें जमानत नहीं मिलती, जेल से बाहर नहीं आ सकेंगी। गौरतलब है कि DRI (राजस्व खुफिया निदेशालय) अब तक अदालत में उनके खिलाफ चार्जशीट दाखिल नहीं कर पाया है, जिससे मामला और पेचीदा हो गया है।

बताया जा रहा है कि रान्या राव सोने की तस्करी के एक अंतरराष्ट्रीय गिरोह से जुड़ी हुई थीं, और इसी नेटवर्क के जरिए काले धन को वैध बनाने (मनी लॉन्ड्रिंग) का भी काम होता था। इस पूरे काले कारोबार की कड़ी गृहमंत्री परमेश्वर से जुड़ी संस्थाओं तक पहुंचने लगी है, जिससे राजनीतिक हलकों में भी खलबली मच गई है। ईडी की कार्रवाई आगे और तेज हो सकती है, और आने वाले दिनों में कई बड़े नामों का खुलासा होने की संभावना है।

बड़ा हादसा : पूजा के लिए लगा रहे बांस में उतरा करंट, सिपाही समेत चार लोगों की मौत; तीन अन्य झुलसे

गाजीपुर (आरएनएस)। गाजीपुर जिले के मरदह थाना क्षेत्र के नरवर गांव में काशीदास बाबा की पूजा की तैयारी के दौरान बुधवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। पूजा स्थल पर बांस लगाने के दौरान बांस हाइटेंशन तार से छू गया, जिससे करंट फैल गया। हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से झुलस गए। झुलसे सभी लोगों को मऊ के फातिमा अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्थानीय जानकारी के अनुसार, गांव में काशीदास बाबा की पूजा के लिए तैयारियां चल रही थीं। पूजा पंडाल के लिए बांस लगाए जा रहे थे, तभी ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन से बांस का संपर्क हो गया। करंट फैलते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई और सात लोग अचेत हो गए। हादसे में छोटेलाल यादव (35), सिपाही रविंद्र यादव उर्फ कल्लू (29), अजय यादव (23) और अमन यादव (19) की मौत हो गई। सभी मृतक नरवर गांव के निवासी थे। मृतक रविंद्र यादव यूपी पुलिस में सिपाही थे और इन दिनों अंबेडकर नगर के टांडा में तैनात थे। वह पूजा में शामिल होने के लिए छुट्टी पर घर आए हुए थे। अजय यादव उनके छोटे भाई थे। घायलों की पहचान अभिरिक यादव, संतोष यादव और जितेंद्र यादव के रूप में हुई है। सभी का इलाज मऊ के फातिमा अस्पताल में चल रहा है। घटना की सूचना मिलते ही गांव में शोक की लहर दौड़ गई। इस कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता शिवपाल सिंह यादव के भी आने की संभावना थी, लेकिन हादसे के चलते माहौल गमगीन हो गया।

दर्दनाक हादसा : एसयूवी कार और बस के बीच भीषण टक्कर, 6 लोगों की मौत

विजयपुर (आरएनएस)। कर्नाटक में बुधवार सुबह भीषण सड़क हादसे में छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मंगोली के पास एक कार और बस के बीच जोरदार टक्कर होने से यह हादसा हो गया। एसयूवी कार सोलापुर जा रही थी, इस दौरान वह मुंबई-बल्लारी बस से जा टकराई। एसयूवी में सवार पांच यात्री और बस चालक की मौके पर ही मौत हो गई। खबर लिखे जाने तक मरने वालों की पहचान नहीं हो पाई थी। हादसा इतना भयंकर था कि कार के परखच्चे उड़ गए। धमाके सी आवाज सुनकर लोग इकट्ठे हो गए और तुरंत पुलिस को सूचित किया।सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस दर्दनाक हादसे के बाद लोगों की काफी भीड़ जुट गई। ट्रैफिक जाम की स्थिति हो गई, जिसके बाद पुलिस ने सड़क से क्षतिग्रस्त गाड़ियों को हटाकर जाम खुलवाया। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस टक्कर की आवाज काफी दूर तक सुनाई दी, जिसके बाद वहां लोग जुटना शुरू हो गए।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास पर पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की समीक्षा बैठक की।

भारत का अपमान करने वालों का विरोध होना ही चाहिए : मंजरी फडनिस

मुंबई (ए.)। बालीवुड फिल्म 'जय हो' और 'ग्रैंड मस्ती' में नजर आ चुकीं अभिनेत्री और सिंगर मंजरी फडनिस ने भी अब तुर्किये के बायकॉट की मांग करते हुए देश के साथ अपनी निष्ठा जाहिर की है। हाल ही में मंजरी ने साफ शब्दों में कहा कि उनके लिए देश सबसे पहले आता है और वह कभी भी किसी ऐसे देश या व्यक्ति का समर्थन नहीं कर सकतीं जो भारत का विरोध करता हो या उसकी गरिमा को ठेस पहुंचाता हो।

मंजरी फडनिस ने कहा कि उनके घर में हमेशा से देशभक्ति का माहौल रहा है क्योंकि वह एक आर्मी परिवार से ताल्लुक रखती हैं। उनके पिता सेना में सेवा दे चुके हैं और उन्होंने अपना बचपन सेना के वातावरण में बिताया है। मंजरी ने बताया कि उन्होंने खुद देखा है कि भारतीय सेना किस तरह समर्पण और अनुशासन के साथ देश की सेवा करती है। इस अनुभव ने उन्हें भारत के प्रति गहरा लगाव और सम्मान सिखाया है, जिसे वह कभी नजरअंदाज नहीं कर सकतीं। जब उनसे पूछा गया कि क्या तुर्किये और अजरबैजान जैसे देशों का आर्थिक और पर्यटन के स्तर पर बहिष्कार होना चाहिए, तो उन्होंने इसका समर्थन करते हुए कहा कि भारत का अपमान करने वालों का विरोध होना ही चाहिए। मंजरी ने यह भी कहा कि सोशल मीडिया पर कुछ पोस्ट न करने का यह मतलब नहीं है कि किसी के दिल में देशभक्ति नहीं है। देश के लिए भावनाएं सिर्फ दिखावे की चीज नहीं हैं, यह अंदर से महसूस की जाती हैं।

उन्होंने भारतीय सेना द्वारा हाल ही में किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' पर गर्व व्यक्त किया और कहा कि जिस तरह से पूरा देश एकजुट होकर खड़ा हुआ, वह हमारे राष्ट्र की एकता और ताकत को दर्शाता है। मंजरी का यह बयान ऐसे समय में आया है जब कई भारतीय सितारे 'तुर्किये बायकॉट' के समर्थन में सामने आ रहे हैं और देशहित को सबसे ऊपर रखने की बात कह रहे हैं। बता दें कि भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच तुर्किये और अजरबैजान जैसे देशों द्वारा पाकिस्तान का समर्थन करना देशवासियों को नागवार गुजर रहा है। आम जनता के साथ-साथ अब फिल्म और टीवी जगत के सितारे भी खुलकर विरोध जता रहे हैं।

राशा ने अपने टैलेंट और ग्रेस से खींचा सबका ध्यान

मुंबई (ए.)। बालीवुड की 'मस्त मस्त गर्ल' यानि की एक्ट्रेस रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी अब फिल्मी दुनिया में अपना जलवा बिखेर रही हैं। जहां रवीना ने अपने दौर में एक से बढ़कर एक सुपरहिट फिल्में दीं, वहीं उनकी बेटी राशा ने हाल ही में अपने टैलेंट और ग्रेस से सबका ध्यान खींच लिया है।

राशा ने 2025 में अजय देवगन की फिल्म 'आजाद' से अपना बॉलीवुड डेब्यू किया था। हालांकि फिल्म को खास सफलता नहीं मिली, लेकिन राशा की स्क्रीन प्रेजेंस और आत्मविश्वास ने लोगों को प्रभावित किया। लेकिन जो बात वाकई में सबका दिल जीत ले गई, वो थी उनका डांस परफॉर्मेंस, जिसने उन्हें रातों-रात सुर्खियों में ला दिया। एक अवार्ड कार्यक्रम में राशा ने मंच पर अपनी मां रवीना टंडन के आइकॉनिक गाने टिप टिप बरसा पानी पर ऐसा डांस किया कि दर्शक तालियों की गूंज में झूम उठे। पीले रंग की ड्रेस में राशा स्टेज पर उतरीं और उनके हर मूव ने मां की याद ताजा कर दी। कई लोगों ने सोशल मीडिया पर कमेंट करते हुए लिखा कि राशा अपने अंदाज से इंडस्ट्री में लंबा सफर तय करेंगी। सिर्फ टिप टिप बरसा पानी ही नहीं, राशा ने माधुरी दीक्षित के फेमस गाने एक दो तीन पर भी परफॉर्म किया और अपनी एनर्जी और एक्सप्रेशंस से सबको हैरान कर दिया। राशा थडानी सिर्फ परफॉर्मेंस ही नहीं, सोशल मीडिया पर भी खूब छाई हुई हैं। इंस्टाग्राम पर उनके तीन मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स हैं और उन्होंने हाल ही में अपने डांस वीडियो को इंस्टा स्टोरी पर शेयर भी किया, जिसे उनके फैंस ने खूब सराहा। बताया जा रहा है कि राशा जल्द ही कार्तिक आर्यन के साथ एक फिल्म में नजर आ सकती हैं। वहीं अवॉर्ड फंक्शन में उन्होंने अपनी मां की पुरानी साड़ी पहनकर एक इमोशनल ट्रिब्यूट भी दिया, जो मां-बेटी के रिश्ते को और खास बना गया।

लगातार चर्चा में रहे 'वॉर 2' के टीजर ने बना डाला यह रिकॉर्ड, 24 घंटे में मिले इतने व्यूज

बॉलीवुड एक्टर ऋतिक रोशन, जूनियर एनटीआर और कियारा आडवाणी की फिल्म 'वॉर 2' ने अपने टीजर के साथ एक धमाकेदार शुरुआत की है। इस फिल्म का टीजर 20 मई 2025 को साउथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर के जन्मदिन के मौके पर रिलीज किया गया और इसे दर्शकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। महज कुछ ही घंटों में यह टीजर वायरल हो गया, जिसे अब तक करोडों व्यूज और तारीफें मिल चुकी हैं।

24 घंटे में मिले करीब 24 मिलियन व्यूज

टीजर को मंगलवार सुबह 11 बजे यूट्यूब पर रिलीज किया गया और सिर्फ पहले 24 घंटों में इसे 23.47 मिलियन यानी करीब 2.34 करोड़ व्यूज मिल गए। इसमें हिंदी में 20 मिलियन व्यूज, तेलुगु में 3.1 मिलियन व्यूज और तमिल में करीब 4 लाख व्यूज देखने को मिले। यह टीजर अब बॉलीवुड के सबसे ज्यादा देखे गए टीजरों में से एक बन चुका है।

परेश रावल नहीं है 'हेरा फेरी 3' का हिस्सा, फैंस को लगा झटका

मुंबई (ए.)। बालीवुड एक्टर अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल एक बार फिर हेरा फेरी 3 में साथ नजर आने वाले हैं, ऐसी खबरें आ रही थी तो फैन्स का उत्साह सातवें आसमान पर था। लेकिन अब इस उत्साह को करारा झटका लगा है, क्योंकि खुद परेश रावल ने पुष्टि कर दी है कि वह इस फिल्म का हिस्सा नहीं हैं।

बीते कुछ दिनों से अटकलें लगाई जा रही थीं कि परेश रावल ने 'हेरा फेरी 3' को क्रिएटिव डिफरेंस यानी रचनात्मक मतभेदों की वजह से छोड़ा है। लेकिन अब अभिनेता ने सोशल मीडिया पर इस बात को सिरे से खारिज किया है। उन्होंने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा कि उन्होंने फिल्म प्रियदर्शन से किसी रचनात्मक मतभेद के चलते नहीं छोड़ी। परेश रावल ने कहा कि वह प्रियदर्शन का बहुत सम्मान करते हैं और उनके साथ हमेशा बेहतरीन अनुभव रहा है। हालांकि, उन्होंने फिल्म से हटने की असली वजह साफ नहीं की, लेकिन एक पुराने इंटरव्यू में उन्होंने जरूर कहा था कि बाबूराव का किरदार अब उनके लिए एक बोझ बन चुका है और वह इस इमेज से बाहर निकलना चाहते हैं। इस खबर के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई है। फैन्स दुखी हैं और सवाल पूछ रहे हैं कि परेश रावल ने फिल्म क्यों छोड़ी। कुछ लोग यह भी कयास लगा रहे हैं कि कहीं फीस को लेकर तो मामला नहीं बिगड़ा। वहीं कुछ फैन्स डायरेक्टर से अपील कर रहे हैं कि बात को संभाला जाए और परेश रावल को वापस लाया जाए।

इस बीच सुनील शेट्टी ने भी कहा है कि बाबूराव और राजू के बिना 'हेरा फेरी' की कल्पना अधूरी है। उन्होंने कहा कि अगर परेश रावल फिल्म में नहीं होंगे तो श्याम का किरदार भी अधूरा लगेगा। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि फिल्ममेकर्स इस चुनौती से कैसे निपटते हैं और क्या वाकई फैंस को अपनी फेवरेट तिकड़ी एक बार फिर साथ देखने को मिलेगी या नहीं।

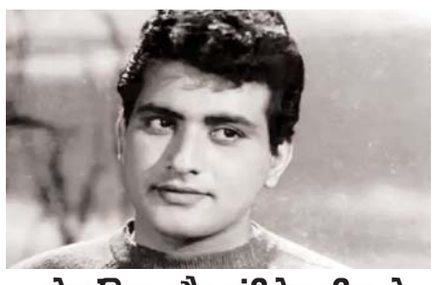

रोमांटिक और इंटीमेट सीन से दूरी बनाए रखते थे मनोज कुमार

मुंबई (ए.)। भारतीय सिनेमा की शान मशहूर एक्टर स्वर्गीय मनोजकुमार ने सिनेमा में अपनी एक ऐसी छवि बनाई जो अनुशासन, मर्यादा और भारतीय मूल्यों का प्रतीक रही। पर्दे पर उनकी गंभीरता और सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्धता ने उन्हें बाकी अभिनेताओं से अलग पहचान दी। खास बात यह थी कि वह रोमांटिक और इंटीमेट सीन से दूरी बनाए रखते थे। उनके लिए एक सख्त नियम था नो इंटिमेसी। वह किसी हीरोइन को गले लगाना, किस करना या छूना तक पसंद नहीं करते थे। मनोज कुमार ने हेमा मालिनी के साथ कई फिल्मों में काम किया जैसे सन्यासी, दस नंबरी और क्रांति, लेकिन किसी भी दृश्य में उन्होंने रोमांस को फिल्मी छूट नहीं दी।

जन्मदिन पर 'वृषभ' से मोहनलाल का लुक आया सामने, 'हृदयपूर्वम' का भी पहला पोस्टर भी हुआ रिलीज

अभिनेता मोहनलाल के जन्मदिन पर फैंस को तोहफा मिला है। उनकी बहुप्रतीक्षित आगामी फिल्म 'वृषभ' से एक्टर की पहली झलक सामने आई है। पोस्टर में मोहनलाल धांसू अवतार में नजर आ रहे हैं। इसके अलावा एक अन्य आगामी फिल्म 'हृदयपूर्वम' का पोस्टर भी जारी हुआ है।

मोहनलाल ने फैंस को समर्पित किया पहला लुक

मोहनलाल ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से 'वृषभ' की पहली झलक शेयर की है। इसके साथ लिखा है, 'यह कुछ खास है। इसे मैं अपने सभी फैंस को समर्पित करता हूं। इंतजार आखिर खत्म हुआ। तूफान जाग उठा है। गर्व और शक्ति के साथ 'वृषभ' का पहला लुक आपके सामने पेश है। यह एक ऐसी कहानी है, जो आपकी आत्मा को जगाएगी और समय के साथ गूंजेगी। मेरे जन्मदिन पर यह लुक रिलीज करना इसे और सार्थक कर गया। आप सभी का प्यार ही मेरी ताकत रहा है%।

इस दिन रिलीज होगी फिल्म

सामने आई झलक में मोहनलाल एक पौराणिक योद्धा राजा की तरह नजर आ रहे हैं। उनका अंदाज आकर्षक और प्रभावी है। हाथों में तलवार थामे, पारंपरिक आभूषण पहने वे राजसी अंदाज में दिख रहे हैं। फिल्म 'वृषभ' 16 अक्तूबर 2025 को रिलीज होगी। यह फिल्म हिंदी, तेलुगु, कन्नड़, तमिल और मलायलम भाषा में रिलीज होगी। फिल्म का निर्देशन नंदा किशोर ने किया है।

'हृदयपूर्वम' का पोस्टर रिलीज

इसके अलावा मोहनलाल ने अपनी एक अन्य आगामी फिल्म 'हृदयपूर्वम' का भी पहला पोस्टर जारी किया है। अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्टर जारी करते हुए उन्होंने लिखा है, 'सीधे दिल से, मेरे पसंदीदा लोगों के साथ'। यह फैमिली ड्रामा फिल्म है। इसका निर्देशन सत्यन अंथिक्काड़ ने किया है।

शाहरुख, ऐश्वर्या, प्रियंका के बाद रश्मिका की बारी, डिज्नी की दुनिया में मारी शानदार एंट्री

साउथ और बॉलीवुड में कई हिट फिल्में देने के बाद अब रश्मिका मंदाना कुछ ऐसा करने जा रही हैं, जिसके साथ ही वो शाहरुख खान और ऐश्वर्या राय जैसे सितारों की फेहरिस्त में शामिल हो जाएंगी।

हिंदी सिनेमा की दो मेगा हिट फिल्मों 'एनिमल' और 'छावा' का हिस्सा रहीं अभिनेत्री रश्मिका मंदाना की लोकप्रियता को अंतर्राष्ट्रीय फिल्म निर्माण कंपनी डिज्नी पिक्चर्स ने भी सलाम कर दिया है। भारतीय सिनेमा के गिनती के सितारे ही ऐसे रहे हैं जिन्हें डिजनी की फिल्मों के साथ जुड़ने का ये गौरव मिला है। फिल्म 'मुफासा' में महेश बाबू की जोड़ी जमने के बाद रश्मिका दूसरी साउथ सिनेमा कलाकार हैं, जिनके साथ डिज्नी ने अपनी किसी फिल्म का रिश्ता जोड़ा है।

दुनिया की सबसे बड़ी फिल्म कंपनियों में से एक डिज्नी की शुरू से कोशिश रही है कि वह जिन जिन देशों में वहां की भाषाओं में अपनी फिल्में डब करके रिलीज करती है, वहां के सितारों के साथ वह एक भावुक रिश्ता जरूर बनाती है। फिल्म 'द लॉयन किंग' और फिल्म 'मुफासा' में शाहरुख खान ने अपने बेटों के साथ फिल्म के मुख्य किरदारों की डबिंग की है। फिल्म 'मुफासा' के लिए साउथ सिनेमा के सुपरस्टार महेश बाबू का भी नंबर लगा था। महेश बाबू इन दिनों निर्देशक एस एस राजामौली की फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं।

इससे पहले अभिनेत्रियों में ऐश्वर्या राय बच्चन ने डिज्नी की ही फिल्म 'मैलिफिसिएंट' में मुख्य किरदार की डबिंग की और फिल्म 'फ्रोजेन' में ये मौका प्रियंका चोपड़ा को मिला। स्थानीय कलाकारों के साथ काम करने की डिज्नी की इसी दशकों पुरानी परंपरा का हिस्सा अब रश्मिका मंदाना बनी है। रश्मिका ने डिज्नी की इस शुक्रवार रिलीज हो रही फिल्म 'लिलो एंड स्टिच' के जरिये डिज्नी से अपना रिश्ता बनाया है। रश्मिका खुद भी एनीमेशन फिल्मों की बचपन से दीवानी रही हैं।

फिल्म 'लिलो एंड स्टिज' का ये एक तरह से रीबूट वर्जन है जिसे डिज्नी ने अपनी तमाम पुरानी टूडी एनीमेशन फिल्मों की तरह लाइव एक्शन फिल्म में तब्दील किया है। फिल्म के स्पेशल शोज भारत में भी शुरू हो चुके हैं और जिन लोगों को भी अब तक ये फिल्म देखने का मौका मिला है, उनके मुताबिक ये इस साल की गर्मियों की छुट्टी के लिए बच्चों के साथ देखी जाने वाली मस्ट वॉच फिल्म है। स्टिच को रश्मिका मंदाना भी बहुत प्यार करती हैं। उन्होंने इस किरदार के साथ सोशल मीडिया पर एक पोस्ट भी साझा की है।

जानकारी के मुताबिक फिल्म 'लिलो एंड स्टिच' अकेलेपन से बोर हो चुकी हवाई द्वीप पर रहने वाली एक अनाथ बच्ची की कहानी है जो अपनी बड़ी बहन का 'ज्ञान' सुन सुनकर बोर हो चुकी है। इस बच्ची का नाम है लिलो और स्टिच एक एलियन है जो दूर किसी दूसरी गैलेक्सी के किसी ग्रह पर चल रहे प्रयोगों के चलते बन गया है। कैसे स्टिच धरती पर आता है, कैसे लिलो को मिलता है और कैसे स्टिच की कोशिशों से लिलो के बिखरे परिवार को एक साथ आने का सबक मिलता है, इसी कहानी पर बनी ये फिल्म इस शुक्रवार रिलीज होने वाली है।

इन 5 फलों में सबसे ज्यादा होता है विटामिन-सी, इन्हें डाइट में करें शामिल

विटामिन-सी एक ऐसा पोषक तत्व है, जो शरीर के लिए बहुत जरूरी होता है। यह न केवल शरीर की सुरक्षा को बढ़ाने में मदद करता है, बल्कि त्वचा और बालों के लिए भी फायदेमंद होता है।आमतौर पर हम नींबू और संतरे को विटामिन-सी का मुख्य स्रोत मानते हैं, लेकिन इनके अलावा भी कई फलों में विटामिन-सी की भरपूर मात्रा होती है।आइए इन फलों के बारे में जानते हैं।

कीवी

कीवी एक ऐसा फल है, जिसमें विटामिन-सी की मात्रा बहुत अधिक होती है।यह फल न केवल शरीर की सुरक्षा को मजबूती प्रदान करता है, बल्कि त्वचा और बालों के लिए भी फायदेमंद होता है।कीवी में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स पाचन को सुधारने में सहायक होते हैं।इसके अलावा कीवी का सेवन करने से शरीर की सुरक्षा बढ़ती है और त्वचा की समस्याएं दूर होती हैं।

पपीता

पपीता विटामिन-सी का एक बेहतरीन स्रोत है। इसमें मौजूद खास तत्व पाचन को सुधारने में मदद करते हैं और त्वचा को चमकदार बनाते हैं।पपीते का सेवन नियमित रूप से करने से शरीर की सुरक्षा बढ़ती है और त्वचा की समस्याएं दूर होती हैं।इसके अलावा पपीते में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स पाचन को सुधारने में सहायक होते हैं। पपीते का सेवन करने से शरीर में ताजगी और ऊर्जा बनी रहती है।

आम

गर्मियों का मौसम आम खाने का समय होता है। आम कई पोषक तत्वों से भरपूर होता है और इनमें विटामिन-सी की मात्रा भी अधिक होती है।

आम का सेवन शरीर को साफ करने में मदद करता है और त्वचा को निखारता है।इसके अलावा आम में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स पाचन को सुधारने में सहायक होते हैं। आम का सेवन करने से शरीर में ताजगी और ऊर्जा बनी रहती है।

स्ट्रॉबेरी

स्ट्रॉबेरी एक ऐसा फल है, जिसका स्वाद मीठा-खट्टा होता है और इसमें विटामिन-सी की मात्रा बहुत अधिक होती है।यह फल न केवल शरीर की सुरक्षा को मजबूती प्रदान करता है बल्कि त्वचा और बालों के लिए भी फायदेमंद होता है। स्ट्रॉबेरी में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स पाचन को सुधारने में सहायक होते हैं।इसके अलावा स्ट्रॉबेरी का सेवन करने से शरीर की सुरक्षा बढ़ती है और त्वचा की समस्याएं दूर होती हैं।

जामुन

जामुन छोटे-छोटे काले रंग के फल होते हैं, जिनमें विटामिन-सी की मात्रा बहुत अधिक होती है।ये फल न केवल शरीर की सुरक्षा को मजबूती प्रदान करते हैं बल्कि त्वचा और बालों के लिए भी फायदेमंद होते हैं।जामुन का सेवन करने से शरीर की सुरक्षा बढ़ती है और त्वचा की समस्याएं दूर होती हैं। इसके अलावा जामुन में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स पाचन को सुधारने में सहायक होते हैं।

राजस्थान ने चेन्नई को 6 विकेट से हराया, वैभव सूर्यवंशी ने खेली एक और शानदार पारी

नई दिल्ली(आरएनएस)। राजस्थान रॉयल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग के 62 वें मैच में दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स को 6 विकेट से हरा दिया.पहले बल्लेबाजी करने उतरी सीएसके ने 20 ओवर में 187/8 रन बनाए. जवाब में राजस्थान ने 4 विकेट खोकर 17.1 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया. युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी (33 गेंदों पर 57 रन) और कप्तान संजू सैमसन (31 गेंदों पर 41 रन) ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया.इस जीत के साथ राजस्थान रॉयल्स के आईपीएल 2025 का अभियान समाप्त हो गया. वो 14 मैचों में 4 जीत और 10 हार के साथ अंक तालिका में 9वें स्थान रहे.जबकि सीएसके अब आईपीएल 2025 में अंक तालिका में सबसे नीचे ही रहेगी, क्योंकि वो अंक तालिका में 10 वें स्थान पर है. उनका 1 मैच और बचा है जो कि रविवार को तालिका में शीर्ष पर चल रही गुजरात टाइटन्स है. अगर वो राजस्थान से ऊपर जाना चाहते हैं तो गुजरात को बड़े अंतर से हराना होगा।

पहले तेज गेंदबाज आकाश मधवाल और युद्धवीर सिंह चरक ने तीन-तीन विकेट चटकाकर सीएसके को 187/8 पर रोका, फिर सूर्यवंशी ने चार चौके और इतने ही छक्के लगाकर सभी राजस्थान को 17 गेंद शेष रहते लक्ष्य का पीछा करने में सफल हो गई. अपने शानदार प्रदर्शन की बदौलत राजस्थान ने सीजन के दस

मैचों में लक्ष्य का पीछा करते हुए सिर्फ दूसरी जीत दर्ज की.188 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान की शुरुआत शानदार रही. यशस्वी जायसवाल ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन किया. बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 5 चौके और 2 छक्का की मदद से 36 रन बनाए.उसके बाद कप्तान संजू सैमसन और दूसरी तरफ, 14 वर्षीय सूर्यवंशी ने बेहतरीन शॉट खेले. वैभव ने नूर अहमद की फ्री-हिट डिलीवरी पर छक्का लगाकर 27 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया. दोनों के बीच 59 गेंदों पर 98 रनों की साझेदारी आखिरकार तब समाप्त हुई जब रविचंद्रन अश्विन ने सैमसन (31 गेंदों पर 41 रन) को लॉन्ग ऑन पर आउट कर दिया.उसके बाद सूर्यवंशी (33 गेंदों पर 57 रन) भी अश्विन की गेंद पर कैच आउट हो गए. हालांकि, शिमरॉन हेटमायर (5 गेंदों पर 12* रन) और ध्रुव जुरेल (12 गेंदों पर 31* रन) ने आरआर को 17 गेंद पहले ही जीत दिला दी.इससे पहले बल्लेबाजी करने के लिए उतरी सीएसके की टीम पहले दो ओवरों के बाद 12/2 पर लड़खड़ा रही थी, क्योंकि युधवीर सिंह ने तीन गेंदों के भीतर डेवोन कॉन्वे (8 गेंदों पर 10 रन) और उर्विल पटेल (2 गेंदों पर 0 रन) को आउट कर दिया था.शुरुआती विकेट गिरने के बाद, सीएसके टीम प्रबंधन ने रविचंद्रन अश्विन को चौथे नंबर पर भेजा. वो अपने आईपीएल करियर में सिर्फ तीसरी बार चौथे नंबर पर बल्लेबाजी कर रहे थे, लेकिन उन्होंने 13 (8) रन की अच्छी पारी खेली, जिसमें उन्होंने अपनी पारी में एक छक्का और एक चौका लगाया. उन्होंने आयुष म्हात्रे (20 गेंदों पर 43 रन) के साथ 24 गेंदों पर 56 रन की साझेदारी की।

म्हात्रे का विकेट गिरने के बाद सीएसके ने रवींद्र जडेजा को पांचवें नंबर पर भेजा, लेकिन यह कदम कारगर साबित नहीं हुआ क्योंकि उन्हें युद्धवीर सिंह (3/47) ने 1 (5) रन पर आउट कर दिया।

ऋषभ का वापसी करना तय : मार्श

नई दिल्ली (ए)। लखनऊ सुपर जाइंट्स के बल्लेबाज ऑस्ट्रेलिया के मिचेल मार्श ने माना है कि उनकी टीम के कप्तान ऋषभ पंत इस सत्र में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये। मार्श के अनुसार कभी-कभी क्रिकेट में ऐसा भी होता है। ऋषभ इस सत्र के 12 मैचों में केवल 135 रन ही बना पाये हालांकि मार्श का मानना है कि वह ये बात स्वीकार करने वाले पहले व्यक्ति होंगे कि उनका प्रदर्शन खराब था। यह साल 2016 में पदार्पण करने के बाद से उनका आईपीएल में अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन रहा है। मार्श को उम्मीद है कि ऋषभ सुपरजाइंट्स के आखिरी दो मैच में अच्छा प्रदर्शन करेंगे, हालांकि ये केवल औपचारिक मुकाबले होंगे। उन्होंने कहा, 'हम सभी जानते हैं कि वह एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं, इसलिए उसका वापसी करना तय है।'

मार्श ने कहा कि 14वें लीग मैच के खत्म होने के बाद सभी के प्रदर्शन की जांच की जा सकती है। मार्श ने कहा, 'मुझे लगता है कि शायद इस सत्र के बाद आत्मचिंतन का समय आएगा। मेरा ध्यान बस अपनी टीम और अपनी फ्रेंचाइजी के लिए अगले दो मैच जीतने के प्रयास करना है। साथ ही कहा कि आईपीएल एक बहुत बड़ा टूर्नामेंट है और इसमें जीत का अंतर बहुत कम होता है।' उन्होंने कहा, 'हमने पूरे सत्र में कुछ करीबी मैच गंवाए इसी कारण हम प्लेऑफ के लिए भी जगह नहीं बना पाये हैं पर हमारा प्रयास है कि हम जितना संभव हो सके इस सत्र को जीत के साथ समाप्त करें।'

रोहित को खिलाड़ी के तौर पर इंग्लैड ले जाना चाहती थी बीसीसीआई

मुम्बई(ए.)। सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा के इंग्लैड दौरे से ठीक पहले टेस्ट प्रारुप से अचानक संन्यास लेने के बाद ही उनके प्रशंसक हैंरान हैं। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने रोहित को स्पष्ट रुप से बता दिया था कि वह

भविष्य की योजनाओं में शामिल नहीं हैं और उन्हें केवल एक खिलाड़ी के तौर पर रखा जा सकता है। वहीं दूसरी और रोहित कप्तान रहते हुए टेस्ट सीरीज के बीच में संन्यास की घोषणा करना चाहते थे पर बीसीसीआई इसके लिए तैयार नहीं थी। रोहित इंग्लैंड दौरे पर जाना चाहते थे। वह पूर्व कपतान महेंद्र सिंह धोनी की तरह संन्या लेना चाहते थे पर जब बीसीसीसी ने उनके प्रस्ताव को ठुकरा दिया तो उनके पास संन्यास के अलावा को और विकल्प नहीं था। रिपोर्ट के मुताबिक, रोहित शर्मा अगले धोनी ने साल 2014 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर ही सीरीज के बीच में टेस्ट से संन्यास की घोषणा कर दी थी। का ऐलान किया था। हालांकि, बीसीसीआई ने रोहित शर्मा के धोनी जैसे रिटायरमेंट के प्रस्ताव को खारिज कर दिया।

रिपोर्ट के अनुसार चयनकर्ता सीरीज के दौरान निरंतरता चाहते थे। इसलिए उन्होंने रोहित से कहा कि उन्हें खिलाड़ी के तौर पर इंग्लैंड दौरे पर भेजा जा सकता है पर कप्तान के तौर पर नहीं। इसी के बाद ही रोहित ने टेस्ट से संन्यास की घोषणा कर दी। रोहित ने अपने करियर के दौरान 67 टेस्ट मैच की 116 पारियों में 40.57 की औसत से कुल 4301 रन बनाए।

जसप्रीत बुमराह को मिला कप्तान का ताज, शुभमन गिल बने उपकप्तान

-इंग्लैंड दौरे के लिए पूर्व चीफ सिलेक्टर ने चुनी ऐसी भारतीय टेस्ट टीम

नईदिल्ली (ए.)। टीम इंडिया की अगली टेस्ट सीरीज 20 जून से इंग्लैंड से होनी है, लेकिन अभी तक टेस्ट टीम के कप्तान का ऐलान नहीं किया जा सका है. रोहित और विराट के अचानक टेस्ट से रिटायरमेंट लेने की वजह से बीसीसीआई और चीफ सिलेक्टर पर भी टीम चुनने को लेकर काफी दबाव बढ़ गया है. हर कोई टीम इंडिया के नए टेस्ट कप्तान पर अपनी राय रख रहा है. कोई शुभमन गिल को तो कोई जसप्रीत बुमराह को नए टेस्ट कप्तान के रूप में देख रहा है. इस बीच टीम इंडिया के पूर्व चयनकर्ता एमएसके प्रसाद ने भी इस मामले पर खुलकर बात की है और उन्होंने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को भारतीय टेस्ट टीम की कप्तानी सौंपने का समर्थन किया है जबकि शुभमन गिल को उप कप्तान बनाने का सुझाव दिया है. इसके अलावा उन्होंने विराट कोहली की जगह नंबर 4 पर केएल राहुल को बल्लेबाजी कराने की बात कही है.

पूर्व चीफ सिलेक्टर एमएसके प्रसाद ने कहा कि बुमराह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक अच्छे लीडर हैं और वो भारतीय टेस्ट टीम की कप्तानी के हकदार भी हैं. बता दें कि बुमराह ने अब तक तीन टेस्ट मैचों में कप्तानी की है, एक इंग्लैंड (2022) में और दो ऑस्ट्रेलिया में पिछली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 में. उन तीनों में से बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया में पर्थ टेस्ट मैच जीता था.प्रसाद ने कहा, मेरे कप्तान जसप्रीत बुमराह होंगे क्योंकि उन्होंने पहले ही खुद को एक लीडर के रूप में साबित कर दिया है. जहां तक मेरे उप-कप्तान का सवाल है, मैं चाहूंगा कि शुभमन गिल बुमराह के डिप्टी के रूप में कुछ अनुभव हासिल करें. अगर आपको बुमराह की फिटनेस से कोई समस्या है तो फिर मेरी पसंद केएल राहुल हैं.एमएसके प्रसाद ने यह भी सुझाव दिया कि केएल राहुल को विराट कोहली की जगह लेनी चाहिए. उन्होंने कहा, जहां तक मेरा आकलन है, नितीश रेड्डी की गेंदबाजी ऑस्ट्रेलिया की तुलना में इंग्लैंड में अधिक प्रभावी होगी. अगर हम 16 खिलाड़ी ले रहे हैं, तो मैं बाएं हाथ के स्विंग गेंदबाज को चाहूंगा और मेरी पसंद अर्शदीप सिंह है. मैं चाहूंगा कि केएल राहुल नंबर 4 पर बल्लेबाजी करें और मेरा रिजर्व ओपनर अभिमन्यु ईश्वरन होगा.यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, शुभमन गिल (उपकप्तान), ऋषभ पंत, रवींद्र जडेजा, नितीश रेड्डी, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह (कप्तान), मोहम्मद सिराज, मोहम्मद शमी, प्रसिद्ध कृष्णा, ध्रुव जुरेल (विकेट कीपर), वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, अभिमन्यु ईश्वरनबता दें कि भारत ने ए टीम के लिए अपनी टीम की घोषणा पहले ही कर दी है, जो इंग्लैंड में दो टूर मैच और एक इंट्रा-स्क्वाड मैच खेलेगी. बंगाल के बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन इस टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है।

छेत्री ने भारतीय महिला फुटबॉल टीम का उत्साह बढ़ाया

बेंगलुरु (ए)। भारतीय महिला फुटबॉल टीम आजकल एएफसी महिला एशियाई कप 2026 क्वालिफायर्स की तैयारी में लगी है। सेंटर फॉर स्पोर्ट्स एक्सीलेंस में अभ्यास कर रहे खिलाड़ियों का उत्साह भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान सुनील छेत्री ने बढ़ाया है। छेत्री ने प्रशिक्षण शिविर मेंखिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे अपने सपनों को हासिल करने के लिए पूरी

ताकत लगा दें। छेत्री ने इस दौरान खिलाड़ियों से कहा कि समय तेजी से आगे निकल जाता है। इसलिए अगर आप वास्तव कुछ हासिल करना चाहते हैं तो छोटी-छोटी चीजों का ध्यान रखें। साथ ही कहा कि एक रात 10 बजे सोने और 10.45 बजे सोने में ज्यादा फर्क नहीं पड़ता लेकिन इसे एक साल तक करें, फिर देखें क्या बदलाव आता है। एक दिन समोसा खाने से ज्यादा नुकसान नहीं होता लेकिन एक साल तक इसे छोड़ दें तो आप देखेंगी कि आप कहां पहुंचती हैं। छेत्री ने उन्होंने कहा कि, आप अभी युवा हैं बस खेल के लिए जुनूनी हो जाइए।

आईपीएल में आज होगा गुजरात टाइटंस और लखनऊ सुपर जायंट्स का मुकाबला

शाम 7:30 बजे से खेला जाएगा

अहमदाबाद (ए.)। आईपीएल में गुरुवार को गुजरात टाइटंस की टीम लखनऊ सुपर जायंट्स का मुकाबला करेगी। टाइटंस की टीम पहले ही प्लेऑफ में पहुंच गयी है पर उसका लक्ष्य इस मैच में जीत हासिल कर शीर्ष दो टीमों में अपनी जगह बनाये रखना रहेगा। गुजरात के 18 अंक हैं और अभी वह अंक तालिका में शीर्ष पर है। वहीं अन्य दो टीमों है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू और पंजाब किंग्स के 17-17 अंक हैं। ऐसे में शीर्ष दो के लिए मुकाबला रोचक है। अगर गुजरात ये मैच जीत जाती है तो उसके 20 अंक हो जाएंगे और वह शीर्ष पर बनी रहेगी।गुजरात की टीम इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार है क्योंकि उसके बल्लेबाज और गेंदबाज शानदार फार्म में हैं। उसके बल्लेबाज बी साइ सुदर्शन के अलावा कप्तान शुभमन गिल और जोस बटलर जबरदस्त फार्म में हैं। सुदर्शन ऑरेंज कैप की दौड़ में पहले नंबर पर हैं। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो उसके गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने अब तक सबसे अधिक विकेट लिए हैं और

वह पर्पल कैप के दावेदार हैं। वहीं मोहम्मद सिराज और स्पिनर बी साइ किशोर ने भी प्रभावी गेंदबाजी की है।दूसरी ओर लखनऊ की टीम प्लेऑफ्स की दौड़ से बाहर हो गयी है। ऐसे में उसका लक्ष्य इस मैच को जीतकर किसी प्रकार लय हासिल करना रहेगा। टीम के कप्तान ऋषभ पंत अब तक असफल रहे हैं। टीम के बल्लेबाजी और गेंदबाजी कमजोर है जिससे वह लगातार संघर्ष करती दिखी है। बल्लेबाजी में मिचेल मार्श, एडेन मार्क्रम और निकोलस पूरन ने ही रहन बनाये हैं। मध्यक्रम के असफल होने से उसके उम्मीद समाप्त हुई हैं।

विदेश समाचार

आसिम मुनीर के फील्ड मार्शल बनते ही PAK सेना की गीदड़भभकी, भारत को फिर दी युद्ध की धमकी

इस्लामाबाद (ए.)। पाकिस्तान ने हाल ही में अपने सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर को फील्ड मार्शल के सर्वोच्च पद पर पदोन्नत किया है। इस पदोन्नति के साथ, असीम मुनीर पाकिस्तानी इतिहास में फील्ड मार्शल का पद पाने वाले दूसरे सैन्य अधिकारी बन गए हैं। इस प्रमोशन के बाद पाकिस्तानी सेना ने एक बार फिर भारत को गीदड़भभकी दी है। सेना ने कहा है कि भारत आग से खेल रहा है, और अगर जरूरत पड़ी तो भारत से युद्ध संभव है। पाकिस्तान के DGISPR (डायरेक्टर जनरल इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस) ने यहाँ तक कहा कि जरूरत पड़ने पर युद्ध संभव है और वे भारत से युद्ध के लिए हमेशा तैयार हैं। पाकिस्तान की शहबाज सरकार की कैबिनेट ने जनरल आसिम मुनीर को फील्ड मार्शल बनाने का बड़ा फैसला लिया और इसकी घोषणा भी की। मुनीर के फील्ड मार्शल बनने के बाद पाकिस्तान में डर और आश्चर्य का माहौल है। इमरान खान की पार्टी पीटीआई इसका कड़ा विरोध कर रही है। पार्टी समर्थकों का कहना है कि मुनीर के फील्ड मार्शल बनने से इमरान खान कभी जेल से बाहर नहीं आ पाएंगे। पाकिस्तान में यह भी कहा जा रहा है कि मुनीर ने सेना प्रमुख की कुर्सी न छोड़ने के लिए फील्ड मार्शल वाला दांव चला है, क्योंकि फील्ड मार्शल कभी रिटायर नहीं होते हैं।आसिम मुनीर के कंधे पर एक सितारा और बढ़ गया है, और अब उनकी वर्दी में पाँच सितारे लगे होंगे। हालाँकि, इसका पाकिस्तान में विरोध शुरू हो गया है। वकार मलिक ने कहा है कि डिक्टेटर साहब ने अपने आप को ही फील्ड मार्शल का पद खुद दे दिया है। इससे पहले एक डिक्टेटर ये काम कर चुका है। उन्होंने फील्ड मार्शल अयूब खान का जिक्र करते हुए कहा कि यह बात पूरी कौम को आज भी याद है।

फिलिस्तीन और मिस्त्र की इजरायल से अपील, तुरंत रोके गाजा पर हमले

बगदाद (ए.)। फिलिस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास और मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल-फतह अल-सीसी ने गाजा पट्टी में तत्काल और स्थायी युद्धविराम का आग्रह किया है।इराक की राजधानी बगदाद में आयोजित 34वें अरब लीग शिखर सम्मेलन में फिलिस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास ने इजरायली सैन्य अभियानों को रोकने और क्षेत्र में शांति स्थापित करने के लिए अरब योजना को अपनाने का आह्वान किया। अब्बास ने इस बात पर जोर दिया कि इजरायली कब्जे को समाप्त करके और फिलिस्तीनी लोगों के पूर्ण अधिकारों को सुनिश्चित करके ही स्थायी शांति प्राप्त की जा सकती है।मार्च में युद्धविराम का समझौता टूटने के बाद से इजरायल ने गुरुवार से अब तक सबसे घातक बमबारी में सैकड़ों फिलिस्तीनियों को मार डाला। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को मध्य पूर्व का दौरा समाप्त किया। मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल-फतह अल-सीसी ने पिछले 19 महीने से गाजा में फिलिस्तीनियों पर किए गए अत्याचार और हिंसा की कड़ी निंदा करते हुए हिंसक अभियान का उद्देश्य गाजा की आबादी को समाप्त करना बताया।

सदन में अमेरिकी महिला सांसद ने दिखाई अपनी न्यूड तस्वीरें, दुनियाभर में मचा हंगामा

नई दिल्ली(ए)। अमेरिकी संसद की सदस्य नैंसी मेसी की दुनियाभर में चर्चा हो रही है। दरअसल, उन्होंने अपनी नग्न तस्वीर संसद में दिखाया। उन्होंने तस्वीर दिखाते हुए दावा किया उनके पूर्व

मंगेतर ने उनकी सहमित के बिना चोरी-छुपे उनकी तस्वीरें खींची। जिसके बाद संसद में हंगामा हो गया। बताया जा रहा है कि यह घटना हाउस ओवरसाइट कमेटी के सत्र के दौरान हुई, जब मेस वीडियो वॉयेरिज्म के खिलाफ सख्त कानूनों की वकालत कर रही थीं। दक्षिण कैरोलिना की कांग्रेस महिला ने कहा, स्वतंत्रता कोई थ्योरी यानी सिद्धांत नहीं है। स्वतंत्रता का मतलब है कि जब आप सो रहे हों, तो कोई बिना आपके इजाजत के आपकी तस्वीर न खींचे। मैं सिर्फ एक सांसद के तौर पर नहीं, बल्कि एक पीड़ित के तौर पर बोल रही हूं। मेस ने पोस्टर आकार की ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीरें दिखाईं। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता था कि मेरा वीडियो बनाया जा रहा है। मैंने अपनी सहमति नहीं दी थी। सांसद ने अपने पूर्व मंगेतर पैट्रिक ब्रायंट पर न केवल गुप्त रूप से उनका वीडियो बनाने का आरोप लगाया है, बल्कि बलात्कार और दुर्व्यवहार सहित गंभीर यौन अपराध करने का भी आरोप लगाया है।हालांकि, उनके पूर्व मंगेतर ने मेस के आरोपों को बेबुनियाद बताया है। ब्रायंट ने एक बयान में कहा, मैं नेंसी मेस द्वारा किए गए झूठे और अपमानजनक दावों का स्पष्ट रूप से खंडन करता हूं। मैंने कभी किसी का यौन उत्पीड़न नहीं किया। मैंने कभी कैमरे से बिना इजाजत के किसी की तस्वीर नहीं खींची।

यूक्रेन के साथ आगे बातचीत को तैयार : रूस

मॉस्को (आरएनएस) । रूस ने कहा है कि वह यूक्रेन के साथ आगे की बातचीत के लिए तैयार है और संभावित शांति समझौते को लेकर एक ज्ञापन (मेमोरेंडम) पर काम करने का प्रस्ताव देगा। रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

जखारोवा ने कहा कि रूस ने एक बार फिर संकट का अंतिम और न्यायपूर्ण समाधान प्राप्त करने की अपनी इच्छा को दोहराया है। उन्होंने कहा कि संघर्ष के समाधान की दिशा में कोई भी प्रगति तभी संभव है जब उसके मूल कारणों को संबोधित किया जाए।प्रवक्ता ने कहा कि समझौते की मुख्य शर्तों, संभावित शांति समझौते की समय-सीमा और यदि कोई सहमति बनती है, तो युद्धविराम से जुड़ी शर्तों सहित कई पहलुओं पर सहमति आवश्यक है।क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने भी मंगलवार को कहा कि मॉस्को और कीव को संयुक्त ज्ञापन के विकास को लेकर बातचीत की तैयारी करनी चाहिए, जिसमें शांति समझौता और युद्धविराम की संभावनाएं शामिल हों।उन्होंने रूस और यूक्रेन के बीच फिर से शुरू हुई बातचीत का स्वागत किया और कहा कि इस ज्ञापन को पूरा करने के लिए कोई समय सीमा तय नहीं की गई है।इससे एक दिन पहले, सोमवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच यूक्रेन संकट और हाल ही में इस्तांबुल में हुई रूस-यूक्रेन वार्ता पर टेलीफोन पर चर्चा हुई।इस बातचीत के बाद ट्रंप ने कहा कि रूस और यूक्रेन के बीच युद्धविराम वार्ता तुरंत शुरू होगी। उन्होंने अपनी दो घंटे की बातचीत को बहुत सकारात्मक और अच्छे माहौल में हुआ बताया।बातचीत के तुरंत बाद ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए कहा कि रूस और यूक्रेन तुरंत युद्धविराम की दिशा में बातचीत शुरू करेंगे और संघर्ष को समाप्त करने के लिए काम करेंगे।ट्रंप ने यह भी कहा कि रूस अमेरिका के साथ बड़े व्यापारिक समझौते करना चाहता है, बशर्ते यह युद्ध समाप्त हो। उन्होंने स्पष्ट किया कि युद्धविराम की शर्तें रूस और यूक्रेन के बीच ही तय होंगी, क्योंकि वही इस संघर्ष की बारीकियों से भली-भांति अवगत हैं।

न्यूयॉर्क में मैक्सिकन जहाज पुल से टकराया, 2 की मौत, कई घायल

न्यूयॉर्क (आरएनएस) । न्यूयॉर्क में उत्सव मनाने जा रहा मैक्सिकन नौसेना का एक विशाल जहाज शाम (स्थानीय समयानुसार) को ब्रूकलिन ब्रिज से टकरा गया। हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई जबकि कई लोग घायल हो गए।कथित तौर पर यह जहाज मैक्सिकन सेना का कुआउथेमोक था। इसमें 277 लोग सवार थे। हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई जबकि 19 घायल हैं, 4 की हालत गंभीर है।सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियो से पता चलता है कि जहाज का 147 फुट लंबा ऊपरी हिस्सा पुल के नीचे से सुरक्षित रूप से नहीं गुजर सकता था। ट्रैफिक ज्यादा था, इस वजह से हादसा हुआ। टक्कर जोरदार नहीं थी, नहीं तो कई और लोगों की जान जा सकती थी। हालांकि घटना के बाद अफरा-तफरी का माहौल था। मौके पर मौजूद लोगों ने घटना का वीडियो बना लिया जो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। न्यूयॉर्क के मेयर एरिक एडम्स ने प्रेस कांफ्रेंस करके इस घटना की पुष्टि की। अधिकारियों ने मरने वाले दो चालक दल के सदस्यों के नाम जारी नहीं किए हैं। अग्निशमन अधिकारियों ने मोटर चालकों को चेतावनी दी कि वे ब्रूकलिन में न्यू डॉक स्ट्रीट और वॉटर स्ट्रीट के नजदीक ट्रैफिक जाम से जूझ सकते हैं। न्यूयॉर्क पुलिस विभाग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट डालते हुए लोगों को इस घटना के संबंध में जानकारी देते हुए चेताया भी है। पोस्ट में बताया गया है, भारी यातायात और महत्वपूर्ण आपातकालीन दल की मौजूदगी के कारण ब्रूकलिन ब्रिज के आसपास के क्षेत्रों का रुख करने से बचना चाहिए।

ईरान के परमाणु ठिकानों पर इजरायल कर सकता है हमला, अमेरिकी इंटेलिजेंस एजेंसियों का बड़ा खुलासा

इजरायल (आरएनएस) । पश्चिम एशिया में तनाव एक बार फिर चरम पर है। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने चेतावनी दी है कि इजरायल, ईरान के खिलाफ बड़ा सैन्य कदम उठा सकता है। खुफिया रिपोर्टों के अनुसार, इजरायल ईरान के परमाणु ठिकानों पर संभावित हमला करने की योजना बना रहा है। हालांकि अभी तक अंतिम निर्णय नहीं हुआ है, लेकिन बीते कुछ महीनों में इस आशंका में काफी इजाफा हुआ है।

अमेरिकी न्यूज नेटवर्क ष्टहह ने खुफिया सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि इजरायल की यह कार्रवाई अमेरिका और ईरान के बीच चल रही परमाणु वार्ता की प्रगति पर निर्भर करेगी। यदि ईरान, यूरेनियम संवर्धन पर रोक लगाने को लेकर कोई ठोस समझौता नहीं करता, तो इजरायल द्वारा हमला किए जाने की संभावना और बढ़ जाएगी।

अमेरिकी इंटेलिजेंस एजेंसियों ने इजरायल की सैन्य गतिविधियों और कम्युनिकेशन को इंटरसेप्ट किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इजरायल ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण हवाई अभ्यास पूरा किया है और कई हवाई हथियारों को फिर से तैनात किया है। इससे इस बात की अटकलें तेज हो

गई हैं कि इजरायल सैन्य कार्रवाई के लिए खुद को तैयार कर रहा है।

हालांकि, अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया है कि ये गतिविधियां जरूरी नहीं कि हमले की तैयारी हों, बल्कि ईरान पर कूटनीतिक दबाव बनाने की रणनीति का हिस्सा भी हो सकती हैं।पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भूमिका भी इस घटनाक्रम में अहम मानी जा रही है। जानकारी के मुताबिक, ट्रंप ने मार्च में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को एक पत्र भेजकर 60 दिनों में परमाणु समझौते पर सहमति जताने का अल्टीमेटम दिया था।वार्ता को शुरू हुए पांच सप्ताह से अधिक बीत चुके हैं और ट्रंप ने हाल में कहा है कि वह केवल कुछ हफ्ते और इंतजार करेंगे। इसके बाद सैन्य विकल्प को पूरी तरह से टाला नहीं जा सकता।अब सबकी निगाहें अमेरिका और ईरान के बीच हो रही वार्ता पर टिकी हैं। अगर वार्ता विफल होती है, तो इजरायल द्वारा सैन्य कार्रवाई के संकेत और भी स्पष्ट हो सकते हैं। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय समुदाय को उम्मीद है कि कूटनीतिक माध्यमों से इस संकट का समाधान निकले और क्षेत्र को एक और बड़े संघर्ष से बचाया जा सके।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कॉलेज की छात्राओं ने किया श्रमदान

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले में संचालित की जा रही अनेक गतिविधियां

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर बालागुरू के. के निर्देशानुसार जल संरक्षण के उद्देश्य से जिले में संचालित किए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत सीहोर स्थित शासकीय कन्या महाविद्यालय की छात्राओं ने टाउन हॉल स्थित जलाशय में श्रमदान कर जलाशय की साफ-सफाई का कार्य किया। इसके साथ ही छात्राओं द्वारा जल संरक्षण के प्रति जागरुकता रैली निकालकर नागरिकों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। अभियान के तहत कॉलेज के शिक्षक कैलाश विश्वकर्मा एवं सतीश शर्मा सहित महाविद्यालय की 35 छात्राओं ने रैली निकाली एवं श्रमदान किया। इसी क्रम में अभियान के तहत नगर परिषद भैरूंदा द्वारा पोकलेन मशीन से नालों की सफाई कराई जा रही है ताकि वर्षा ऋतु के दौरान पानी की आसानी से निकासी हो सके और जलभराव की स्थिति निर्मित न हो। उल्लेखनीय है कि प्रदेश के साथ ही सीहोर जिले मे भी 30 मार्च से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत जिले भर में जल संरक्षण से संबंधित अनेक गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। अभियान के तहत आमजन को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए दीवार लेखन, जागरूकता रैली, पोस्टर बैनर, रंगोली, ग्राम सभाएं, कलश यात्राएं, शपथ सहित अनेकों गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

अभियान के तहत जिले के अनेक ग्रामों में कूप मरम्मत, तालाब जीर्णोद्धार, डैम की साफ-सफाई सहित अनेक कार्य किए जा रहे हैं तथा नागरिकों को जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई जा रही है। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जिले में जल संरक्षण एवं संवर्धन से संबंधित खेत, तालाब, अमृत सरोवर, परकोलेशन टैंक, डगवेल, तालाब जीर्णोद्धार, जनभागीदारी के कार्य, कूप एवं बाउंड्री मरम्मत के कार्य किए जा रहे हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान का प्रमुख उद्देश्य जनभागीदारी से जल संरक्षण तथा संवर्धन सुनिश्चित करना है। इस अभियान के अन्तर्गत समाज की भागीदारी तथा और विभिन्न सहयोगी विभागो की समेकित पहल से मुख्यत जल संरक्षण संरचनाओं के निर्माण, भूजल संवर्धन, पूर्व से मौजूद जल संग्रहण संरचनाओं की साफ सफाई एवं जीर्णोद्धार करना है। इसके साथ ही जल स्त्रोत में प्रदूषण कम करना, साफ सफाई करना, पौधरोपण के कार्य किए जा रहे हैं। इसके साथ ही जल संरक्षण एवं जागरूकता के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

साइबर अपराध से सुरक्षा एवं जागरुकता कार्यक्रम 23 मई को सीहोर में होगा आयोजित

मध्य प्रदेश शासन के विशेष पुलिस महानिदेशक डॉ वरुण कपूर मुख्य अतिथि के रुप में रहेंगे शामिल

सीहोर (निप्र)। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत जिला सीहोर द्वारा शासकीय चंद्रशेखर आजाद अग्रणी महाविद्यालय (प्रधानमंत्री एक्सीलेंस कॉलेज) में प्रात: 10:30 बजे से सायबर, अपराध एवं धोखाधढी, डिजिटल अरेस्ट से संबंधित विषय पर जागरूकता कार्यशाला आयोजित की जा रही हैं । जिसमें मध्य प्रदेश शासन के विशेष पुलिस महानिदेशक डॉ वरुण कपूर मुख्य अतिथि के रुप में मौजूद रहेंगे साथ ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मध्य भारत के प्रांत संघचालक अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत राष्ट्रीय उपाध्यक्ष माननीय श्री अशोक पांडे जी मुख्य वक्ता होंगे एवं साथ ही ग्राहक पंचायत भोपाल संभाग के संगठन मंत्री राज नारायण भारद्वाज जी कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित रहेंगे ।

जिसने दसों इंद्रियों को जीत लिया वही दशरथ है-संत उद्धवदास महाराज

सीहोर (निप्र)। शहर के रुकमणी गार्डन में चित्रांश समाज और अखिल भारतीय कायस्थ महासभा सीहोर के तत्वाधान में जारी सात दिवसीय संगीतमय श्रीराम कथा के तीसरे दिन संत उद्धवदास ने कहाकि भगवान श्रीराम को भक्ति से पाया जा सकता है। धरती पर अधर्म का बोलबाला होता है तब भगवान का किसी न किसी रूप में अवतार होता है। भगवान चारों दिशाओं में विद्यमान है। इन्हें प्राप्त करने का मार्ग मात्र सच्चे मन की भक्ति ही है। रामचरित्र मानस में ऐसे दो ही पात्र है, जिन्होंने सुख की प्राप्ति हेतु अलग-अलग मार्गों का अनुसरण किया है। यह पात्र है दशानन अर्थात रावण और राजा दशरथ। दशानन का अर्थ है, वह व्यक्ति जो मन के वशीभूत हो दशों इंद्रियों को सांसारिक सुखों की प्राप्ति के लिए लगाकर सदैव प्रयत्नशील रहता हो, वहीं दशरथ वह चरित्र है, जिसने दशों इंद्रियों को जीत लिया हो और जो सदैव ईश्वर की भक्ति में ही तत्पर रहता है। भगवान श्रीराम ने भी राजा दशरथ के यहां पर इसी भक्ति और साधना को देखते हुए जन्म लिया। भगवान सर्वत्र व्याप्त है। प्रेम से पुकारने व सच्चे मन से सुमिरन करने पर भगवान कहीं भी प्रकट हो सकते है। भगवान राम के जन्म की व्याख्या करते हुए बताया कि सतकृपा के तप से भगवान ने राजा दशरथ व रानी कौशल्या के घर जन्म लिया।उन्होंने कहाकि दशरथ और दशानन, रामायण के दो अलग-अलग हैं। दशरथ को राजा दशरथ के रूप में जाना जाता है, जो अयोध्या के राजा और भगवान राम के पिता थे। दूसरी ओर, दशानन रावण का दूसरा नाम है, जो लंका का राजा था। दशानन शब्द का अर्थ है दस सिर वाला, जो रावण के दस सिरों का प्रतीक है। दशरथ इंद्रियों को नियंत्रित करने वाला व्यक्ति है, जबकि दशानन दस इंद्रियों को भोगों में उलझाने वाला व्यक्ति है।संत उद्धवदास महाराज ने कहाकि पृथ्वी पर निवास करने वाले प्रत्येक जीव सुख की तलाश में भटक रहा है, जिससे भी पूछो कि तुम्हे क्या चाहिए तो वह एक ही बात कहता है कि मुझे असीम सुख की तलाश है। सुख की प्राप्ति के लिए मनुष्य मन के वसीभूत हो आवश्यक रसों की खोज के लिए भौतिक संसाधनों का उपयोग करने में लगा हुआ है। भौतिक संसाधनों से हम मन के वशीभूत होकर क्षणिक सुख तो प्राप्त कर सकते हैं, किन्तु वास्तविक सुख प्रभु राम की भक्ति से ही प्राप्त होता है। भक्ति से प्राप्त सुख इतना मधुर होता है कि इसके आगे सभी नौरस फीके पड़ जाते हैं।

समग्र आईडी लिंक नहीं कराने वाले 1442 शासकीय सेवकों का वेतन रोकने के निर्देश

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर बालागुरू के. ने शासकीय सेवकों के आईएफएमआईएस कर्मचारी कोड को समग्र आईडी से लिंक नहीं कराने पर मई माह 2025 का वेतन रोकने के निर्देश दिए हैं। सीहोर जिले के कुल 96 आहरण संवितरण अधिकारी कार्यालयों के अंतर्गत कुल 10,560 शासकीय सेवकों में से 1442 शासकीय सेवकों का समग्र आईडी आईएफएमआईएस अंतर्गत एम्पलाई प्रोफाइल में लिंक करना शेष है। कलेक्टर बालागुरू के. ने निर्देश दिए हैं कि यदि इस माह समग्र आईडी लिंक नहीं की जाती है, तो संबंधितों के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही भी की जायेगी।

कस्टम हायरिंग सेंटर योजना से मिले अनुदान से दीपेश वर्मा ने ला दी खेती में क्रांती

सीहोर (निप्र)। केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा गरीबों एवं किसानों के कल्याण के लिए अनेकों जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही है। इन्हीं योजनाओं में से एक है कस्टम हायरिंग सेंटर योजना। इस योजना की सहायता से अनेकों किसानों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आए है। कस्टम हायरिंग सेंटर योजना भारत सरकार और राज्य सरकार की एक संयुक्त पहल है, जिसके अंतर्गत किसानों को कृषि यंत्र खरीदने के लिए अनुदान प्रदान किया जाता है। इसका उद्देश्य छोटे और मध्यम किसानों को महंगे कृषि उपकरण खरीदने में सक्षम बनाना है, ताकि वे आधुनिक यंत्रों की सहायता से अपनी खेती को उन्नत बना सकें और इन यंत्रों से अतिरिक्त आमदनी भी अर्जित कर सकें। सीहोर जिले के ग्राम निपानिया के युवा किसान दीपेश वर्मा भी उन्हीं किसानों में से एक है, जिन्हें इस कस्टम हायरिंग सेंटर योजना का लाभ मिला है। किसान दीपेश वर्मा ने कस्टम हायरिंग सेंटर योजना से जुड़कर खेती में क्रांति ला दी है।

भव्य भगवान जगदीश की रथ यात्रा को लेकर गांव-गांव में प्रचार

सीहोर (निप्र)। शहर में लंबे समय से जगदीश मंदिर टाट बाबा परमार क्षत्रिय समाज ट्रस्ट के तत्वावधान में भव्य रथ यात्रा इस साल भी आस्था और उत्साह के साथ निकाली जाएगी। इसके लिए यहां पर परमार समाज के साथ श्रद्धालु तैयारियां में जुटे हुए। तैयारियां पूर्ण हो गई है। रथ यात्रा के साथ यहां पर भगवान की मूर्तियों को सजाया जा रहा है। इसके अलावा मंदिर की सजावट का कार्य चल रहा है। इसके अलावा प्रतिदिन समाज के लोग गांव-गांव जाकर प्रचार प्रसार कर रहे है। समाज के पदाधिकारियों ने गत दिनों बैठक कर आगामी कार्यक्रमों की रुपरेखा तैयार की थी। जगदीश मंदिर टाट बाबा परमार क्षत्रिय समाज ट्रस्ट के तत्वावधान में निकाली जाने वाली रथ यात्रा आस्था और उत्साह के साथ निकाली जाएगी। इस मौके पर शहर के छावनी स्थित मंदिर पर विशेष पूजा अर्चना की जाएगी और आगामी 27 जून को शहर में भव्य यात्रा निकाली जाएगी। इसको लेकर चल समारोह के अध्यक्ष सुरेश गब्बर परमार और अन्य समाजजनों के द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में समाजजनों से रथ यात्रा में शामिल होने की अपील की जा रही है। रथ यात्रा की तैयारियों को लेकर शहर सहित आस-पास के स्थानों पर तैयारियां जारी है। मंदिर के आस-पास के स्थान पर साफ-सफाई कर मैदान का समतलीकरण कराया और समाजजनों की एक बैठक का आयोजन भी किया गया।

पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व.राजीव गांधी जी की पुण्यतिथि पर कांग्रेसजनों ने किये श्रद्धासुमन अर्पित

सूचना, संचार एवं प्रौद्योगिकी के जनक थे श्री राजीव गांधी-राजीव गुजराती

सीहोर (निप्र)। पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत-रत्न स्वर्गीय श्री राजीव गांधी जी की पुण्यतिथि पर बुधवार, 21 मई को जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राजीव गुजराती की अध्यक्षता में जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में श्री गांधी जी के चित्र के समक्ष माल्यार्पण एंव पुष्पांजली अर्पित उन्हें याद किया गया। इस अवसर पर राजीव गुजराती ने श्री गांधी जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एक सच्चा नेता वही होता है जो केवल आने वाले समय की कल्पना नहीं करता, बल्कि उस भविष्य को बेहतर बनाने के लिए आज कदम उठाता है। स्वर्गीय श्री राजीव गांधी की यह बात हमें यह सिखाती है कि राजनीति में दूरदृष्टि का मतलब सिर्फ़ योजनाएँ बनाना नहीं, बल्कि हर नागरिक के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध होकर काम करना है। आज देश में जो सूचना एवं संचार क्रांति आई है उनके पीछे स्वर्गीय राजीव गांधी जी की ही सोच व योगदान रहा। राजीव गांधी जी ने उस समय प्रधानमंत्री रहते हुए देश में सूचना, संचार एवं प्रौद्योगिकी का विकास किया और देश को सूचना, संचार एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विश्व के अग्रणी देशों में लाकर खड़ा कर दिया है। ब्लाक अध्यक्ष निशांत वर्मा ने कहा कि राजीव गांधी एक ऐसे दूरदर्शी नेता थे। उन्होने भारत को ऐसे तोहफे दिए हैं जो आज हिंदुस्तान के आम जनमानस के लिए वरदान साबित हो रहा हैं। नेता प्रतिपक्ष विवेक राठौर ने कहा कि युवा भारत के स्वप्नदृष्टा राजीव गांधी जी का देश के नवनिर्माण में अमिट योगदान है। राजीव गांधी जी ने युवाओं को राष्ट्र की मुख्यधारा में लाने के लिए मतदान की आयु 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष करने जैसा क्रांतिकारी फैसला किया। आज का युवा भारत स्वर्गीय राजीव गांधी द्वारा देखे गए स्वपन की ही देन है। जिसमें उन्होंने युवाओं को आगे बढ़ाने का अहम फैसला किया था। कार्यक्रम का संचालन सुनील दुबे एंव आभार पार्षद इरफान लाला ने व्यक्त किया गया। श्रद्धासुमन अर्पित करने वालों में प्रमुख रूप से प्रीतम दयाल चौरसिया, रमेश गुप्ता, हरीश आर्य, सीताराम भारती, अरूण राय, पवन राठौर, रामप्रकाश चौधरी, आशीष गेहलोत, घनश्याम यादव, घनश्याम मीणा, रामायण प्रसाद शुक्ला, नरेन्द्र खंगराले, के.के.रिछारिया, तुलसी राजकुमार राठौर, भगत सिंह तोमर, कमलेश चाण्डक, आसिफ अंसारी, असरफ खान, कपिल गौर, पंकज शर्मा, यश यादव, कनिष्क त्यागी, गजराज परमार, अजब सिंह तोमर, जितेन्द्र परमार, शुभम त्यागी, अरबाज खान, ओम सोनी, मेहंदी हसन सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

साथी अभियान चलाकर बनाए जाएंगे निराश्रित बच्चों के आधार कार्ड

निराश्रित बच्चों को दिलाया जाएगा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ

सीहोर (निप्र)। प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक के अध्यक्ष प्रकाश चंद्र आर्य के निर्देशानुसार निराश्रित बच्चों की आधार ट्रैकिंग तक पहुंच और उनके समग्र समावेशन के लिए साथी अभियान संचालित किया जाएगा। इस अभियान के तहत निराश्रित बच्चों के आधार कार्ड बनवाये जाएंगे और उन्हें शासन की योजनाओं का लाभ दिलाया जाएगा। इसके लिए प्रधान जिला न्यायाधीश श्री आर्य एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव श्रीमती स्वप्नश्री सिंह की अध्यक्षता में जिला साथी समिति गठित की गई है। इस समिति में जिला बाल संरक्षण अधिकारी, डीसीपीओ, सभी अनुभागों के तहसीलदार, जिला शिक्षा अधिकारी, सीएमएचओ, जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी, प्रभारी किशोर इकाई, बाल कल्याण समिति एवं किशोर न्याय बोर्ड के प्रतिनिधिगण, पैनल अधिवक्ता, पीएलव्ही आदि को शामिल किया गया। इस अभियान का उद्देश्य सड़कों या अन्य स्थानों पर रहने वाले उन निराश्रित बच्चों की पहचान करना है, जिनके पास आधार कार्ड नही है। अभियान के उनके आधार कार्ड बनवाए जाएंगे तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाया जाएगा।

आम आदमी पार्टी जिलाध्यक्ष बघेल ने दिया इस्तीफा

प्रदेश और जिले में अनेक पदों पर सक्रीय रहे बघेल

सीहोर (निप्र)। आम आदमी पार्टी के सक्रीय जिलाध्यक्ष रहे कृष्णपाल सिंह बघेल ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता और जिला अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है, उन्होने परिवारिक कारणों से राष्ट्रीय कार्यालय दिल्ली और प्रदेश कार्यालय भोपाल को इस्तीफा भेज दिया है।उल्लेखनीय है कि कृष्णपाल सिंह बघेल के द्वारा अन्नाकाल के दौरान अरविंद केजरीवाल के व्यक्तिव से प्रभावित होकर जनवरी 2013 में आम आदमी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की थी जिस के बाद उन्हे वर्ष 2015 में जिला सचिव की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी पार्टी के द्वारा प्रदान गई थी उन्होने जिला सचिव रहते हुए पार्टी को संपूर्ण जिले में बड़े मुकाम पर पहुंचा दिया था। इसी प्रकार वर्ष 2016 में आप के द्वारा कृष्णपाल सिंह बघेल की नेतृत्व क्षमता को ध्यान में रखते हुए सीहोर विधानसभा का प्रभारी नियुक्त किया और वर्ष 2018 में सीहोर विधानसभा से आप ने अपना प्रत्याशी भी उन्हे घोषित किया। उन्होने गरम जोशी के साथ हजारों कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाते हुए चुनाव लड़ा और भाजपा सहित कांग्रेस के प्रत्याशियों को आईना दिखाया।

महिला शिक्षा के लिए जागरुक कर रही है फूले सैकड़ों की संख्या में फिल्म देखने पहुंची महिलाऐं

सीहोर (निप्र)। ज्योतिबा फूले फिल्म को देखने के लिए बुधवार को लीसा टाकिज पर महिला पुरूष बच्चों की भीड़ उमड़ पड़ी। महिला शिक्षा और सामाजिक प्रातंडना को लेकर बनाई गई फूले फिल्म को देखने के लिए जिले भर से सैकड़ों लोग पहुंचे। फिल्म के चारों शो हाउस फुल रहे। अनेक राजनीतिक धार्मिक सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों समाजसेवियों जनप्रतिनिधियों ने विपरीतकाल में सावित्री बाई फूले के संघर्ष को फिल्म में देखा और उन्हे नमन किया।समाजसेवी नीरज जाटव ने बताया कि फिल्म को देखने के लिए दर्शकों में काफी उत्साह देखा गया अनेक लोगों ने एडवांस टिकिट बुक कराए। पूरे परिवार के साथ लोग सत्य इतिहास पर आधारित फूले फिल्म देखने के लिए चारों शो में पहुंचे और सावित्री बाई फूले के नारी शिक्षा को लेकर किए गए कठीन संघर्ष को देखा। जाटव ने कहा कि विपरीत समय में जब सामाजिक लोग घृणा के शिकार थे अनेक कुरीतियां थी तब सावित्री बाई फूले ने अनेक बंधनों को तोड़कर समाज में महिला शिक्षा के लिए जागरूकता अभियान चलाया था परिणाम स्वरूप आज महिलाऐं हर क्षेत्र में पुरूषों की बरा बरी कर रही है। फूले फिल्म देखा कर बाहर आई महिलाओं ने कहा की महानारी सावित्री बाई फूले ने हीं हमें शिक्षा के लिए प्रेरित किया था जिस से आज हम सशक्त है। लीसा मल्टीप्लेक्स के डायरेटर राजकुमार रिंकू जायसवाल ने बताया की फिल्म के चारों शो हाउस फूल रहे है सामाजिक उत्थान जागरूकता विषय को लेकर बनाई गई फिल्म में कलाकारों ने भी बेहतरीन अभिनय किया है।

जलाशयों को मत्स्यपालन एवं मत्स्याखेट पट्टे पर लेने के लिए आवेदन 04 जून तक

सीहोर (निप्र)। मछली पालन विभाग द्वारा पंचायत को कर्तव्यों एवं कार्यक्रमों का विकेन्द्रीकरण कर जनपद पंचायतों को 10 हेक्टेयर से अधिक एवं 100 हेक्टेयर औसत जलक्षेत्र के जलाशयों को मत्स्यपालन एवं मत्स्याखेट के लिये पटटे पर देने के अधिकारों के तहत जनपद पंचायत सीहोर के अधिनस्थ सिंचाई जलाशय को पट्टे पर देने का निर्णय लिया है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सीहोर द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार सातनवाड़ी जलाशय ग्राम पंचायत सातनवाडी तह.श्यामपुर को 13.460 औसत जलक्षेत्र हेक्टयर एवं रायपुरा सिंचाई तालाव तह. सीहोर को 17.000 औसत जलक्षेत्र हेक्टयर है।

पंजीकृत स्थानीय मछुआ, अ.जा/अ.ज.जा, सहकारी समितियाँ, स्थानीय मछुआ/अ.जा. /अ.ज.जा./ समूह, स्थानीय मछुआ /अ.जा./अ.ज.जा व्यक्ति विशेष, सिंचाई जलाशयों को मछली पालन एवं मत्स्यखेट के लिए 10 वर्ष की अवधि के लिए दिया जाना है। यह अवधि तभी मान्य होगी जब प्राधिकृत अधिकारी व्दारा इसकी अनुमति दी गई हो, जलाशय की पट्टा राशि का निर्धारण परिशिष्ट एक के अनुसार विन्दु क-2 एवं 4.3 के अनुसार किया जावेगा।

इच्छुक मछुआ/अ.ज.जा./अ.जा. सहकारी समिति, समूह या व्यक्ति विशेष जो सिचाई जलाशयों को मत्स्यपालन एवं मत्स्याखेट के लिए पटटे पर लेना चाहते है। वे प्रस्ताव ठहराव के साथ अपना आवेदन 04 जून 2025 तक जनपद पंचायत सीहोर कार्यालय में सायं 5.00 बजे तक प्रस्तुत कर सकते है।

कार्यालय, प्राचार्य शासकीय महिला पॉलीटेक्निक महाविद्यालय सीहोर (म.प्र.)

Phone : 07562-292337
Email: prinwpoly.seh@mp.gov.in
Website : www.gwpcs.org

(डॉ0 बाबा साहब अम्बेडकर योजनांतर्गत संचालित)

अनुसूचित जाति वर्ग की छात्राओं हेतु निःशुल्क प्रवेश का सुनहरा अवसर

:: संचालित त्रिवर्षीय रोजगारोन्मुखी डिप्लोमा पाठ्यक्रम एवं पात्रता ::

मार्डन ऑफिस मैनेजमेंट (M.O.M) कक्षा 10वीं उत्तीर्ण

कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग (C.S.E.) कक्षा 10वीं उत्तीर्ण

उपलब्ध विशेष सुविधाऐं

1. छात्राओं को नि:शुल्क छात्रावास एवं भोजन।
2. प्रति छात्रा प्रति सेमेस्टर रू0 2000/- की स्टेशनरी एवं पुस्तकें नि:शुल्क ।
3. राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल की परीक्षा शुल्क की प्रतिपूर्ति।
4. प्रत्येक छात्रा को जिसकी उपस्थिति कक्षाओं में 80 प्रतिशत से अधिक होगी उन्हें रू0 1000/- प्रतिमाह छात्रवृत्ति/प्रोत्साहन राशि प्राप्त होगी।

प्रवेश प्रक्रिया

dte.mponline.gov.in पर डॉ. बाबा साहब अम्बेडकर योजनांतर्गत डिप्लोमा पाठ्यक्रम के अंतर्गत निम्न तालिका अनुसार रजिस्ट्रेशन कराना है एवं तत्पश्चात् संस्था में प्रवेश हेतु उपस्थित होना है।

प्रथम चरण

गतिविधियां	दिनांक
ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन की तिथि	30/04/2025 से 01/06/2025 रात्रि 11:45 बजे तक
रजिस्ट्रेशन में सुधार (Edit Registration) सत्यापित उम्मीदवारों के लिये रजिस्ट्रेशन में सुधार की सुविधा, रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि के पश्चात् केवल एक बार उपलब्ध रहेगी।	02/06/2025 से 03/06/2025 रात्रि 11:45 बजे तक
संस्थाओं के (प्राथमिकता (Choice Filling)का ऑनलाइन चयन कर, लॉक करना प्राथमिकता में परिवर्तन की सुविधा अंतिम दो दिन उपलब्ध रहेगी)	15/05/2025 से 05/06/2025 रात्रि 11:45 बजे तक
कॉमन मेरिट सूची की उपलब्धता	06/06/2025
आवंटन पत्रों की ऑनलाइन उपलब्धता/आवंटित संस्था में उपस्थिति (आवंटित संस्था में मूल दस्तावेजों का सत्यापन एवं प्रवेश)	10/06/2025 से 15/06/2025 सायं 5:00 बजे तक

विशेष नोट

योजनांतर्गत पूर्व निर्धारित आरक्षित श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए संस्था में आरक्षित श्रेणी की छात्राओं के प्रवेश न होने पर क्रमश: अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/सामान्य श्रेणी की छात्राओं को प्राथमिकता क्रम में प्रवेश दिया जावेगा। ऐसी छात्राओं को ऊपर उल्लेखित विशेष सुविधाये उपलब्ध नहीं होगी परन्तु **उन्हें शासन द्वारा निर्धारित अन्य समस्त छात्रवृत्तियों का लाभ नियमानुसार प्राप्त होगा।** उन्हें शिक्षण शुल्क के रूप में रू0 10,000/- प्रति वर्ष (दो सामान्य किश्तों में) एवं रू0 270/- अन्य शुल्क के रूप में देय होगा।

प्रवेश हेतु सम्पर्क मोबाईल नंबर

(1) 9926008892 (2) 9926680481 (3) 9827220431 (4) 7000395835 (5) 9977457488 (6) 9893793448 (7) 9691360834 (8) 9977205763 (9) 9993211836

जी/13179/25

प्राचार्य
शासकीय महिला पॉलीटेक्निक महाविद्यालय सीहोर (म.प्र.)

हेलमेट पहनकर वाहन चलायें, अपनी व दूसरों की जान बचायें

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा 09 वैशाली नगर ग्राम शेरपुर शंकर मंदिर के पास सीहोर म.प्र. से प्रकाशित।
ब्यूरो प्रमुख -भावना सक्सेना। स्थानीय प्रतिनिधि-मनोज दीक्षित, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो.9425025999 ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com